MPHIN 36951

हमारा देश हमारा अभिमान

कुल पृष्ठ : 52, मूल्य : 50 रुपए • वर्ष 01, अंक 10 मासिक पत्रिका • अक्टूबर 2022

'शुभं करोति कल्याणम् आरोग्यम् धनसंपदा। शत्रुबुद्धिविनाशाय दीपकाय नमोऽस्तु ते।।
दीपो ज्योति परं ब्रह्म दीपो ज्योतिर्जनार्दन : । दीपो हरतु मे पापं संध्यादीप नमोऽस्तु ते।।
जो शुभ करता है, कल्याण करता है, आरोग्य रखता है, धन संपदा देता है और शत्रु बुद्धि का विनाश करता है, ऐसे दीप की रोशनी को मैं नमन करता हूँ॥
दीपक की ज्योति ही ब्रह्मा व परमेश्वर है।
पाप का नाश करने वाली दीपक की ज्योति को मेरा नमस्कार।

सभी प्रदेशवासियों को

दीपावली

की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

आप सभी पर मां लक्ष्मी की कृपा बनी रहे

विजय जोशी

एडवोकेट पूर्व अध्यक्ष रोटरी क्लब नीमच,
पूर्व अध्यक्ष अभिभाषक संघ जावद

श्रीमती संगीता जोशी

पीडीसी इनरव्हील डिस्ट्रिक्ट
304

CHETAK
Enterprises Ltd.

उदयलाल आंजना

मनोहर लाल आंजना

विक्रम आंजना

चेतक इन्टरप्राईजेस प्रा. लि.
यू.बी. इन्फ्रास्ट्रक्चर नीमच

दीपावली की
हार्दिक बधाई

हमारा देश
हमाराअभिमान

वरिष्ठ संरक्षक मंडल

• अनन्त श्री विभूषित श्रीमद जगद्गुरु श्री राम स्वरूपचार्य जी महाराज कामदगिरि पीठाधीश्वर चित्रकूट धाम
• श्री महामंडलेश्वर रामप्रिय दास
• श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर अनिरुद वन जी श्री धूमेस्वर धाम
• श्री डॉ. श्रीमन नारायण मिश्रा
डॉ. श्रीमती शालिनी कौशिक, श्री नागेंद्र नाथ सुरेंद्र नाथ चौबे

संरक्षक मंडल

• श्री लोकेश चतुर्वेदी • श्री डॉ. दिनेश उपाध्याय • श्री अरविंद जैन • श्री पी.के. शर्मा, • श्री एस.डी. धाकड़, • श्री अरुण कांत शर्मा, • श्री महेश पुरोहित • श्री विनोद भारद्वाज, अधिवक्ता ग्वालियर हाईकोर्ट, • श्री मनोज भारद्वाज, श्री अनिल जैन, श्री निर्मल वासवानी • श्री विद्याभूषण शर्मा • श्रीमती अर्चना बाजपेयी

संपादक : मनोज चतुर्वेदी

पंकज दीक्षित : प्रमुख परामर्शदाता

विशेष संवाददाता

• रवि परिहार • रविकांत शर्मा

कानूनी सलाहकार

एडवोकेट अनिल शुक्ला शासकीय अधिवक्ता ग्वालियर हाईकोर्ट
एडवोकेट श्याम पाठक ग्वालियर हाई कोर्ट

ब्यूरो : अविनाश (उज्जैन संभाग)

छिंदवाड़ा ब्यूरो : जितेंद्र चौरे

मुम्बई ब्यूरो (महाराष्ट्र)

सचिंदर शर्मा (फ़िल्म डायरेक्टर)

ब्यूरो राजस्थान

सुभाष सोरल (फ़िल्म निर्माता) कोटा

ब्रजेश जैन- साक्षात्कार व्यवस्थापक और विज्ञापन संवाददाता इंदौर

संवाददाता : संदीप पाटिल, इंदौर

सलाहकार

• डॉ. सुनील शर्मा, नेत्र रोग विशेषज्ञ
• डॉ. मुकेश चतुर्वेदी, • डॉ. दिनेश प्रसाद (हड्डी रोग सर्जन)
• अनिल दुबे • विकास चतुर्वेदी • सुरेश शर्मा
• नारायणदास गुप्ता, • पीयूष श्रीवास्तव,
• पंडित चंद्रशेखर शास्त्री, बृज मोहन आर्य, विवेक शर्मा

मार्केटिंग प्रमुख : शैलेन्द्र जैन

मार्केटिंग मैनेजर

• सुनील • हरशूल • संजू

डिजाइन : मनोज पंवार

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक मनोज कुमार चतुर्वेदी द्वारा कंचन ऑफसेट डी-1/63, सेक्टर-4, विनय नगर ग्वालियर- फोन नं. 0751-2481433, (म. प्र.) से मुद्रित एवं शिव कॉलोनी गली नं. 4 , रेलवे स्टेशन के पीछे, तहसील डबरा, जिला ग्वालियर, (मध्यप्रदेश) प्रकाशित। संपादक-मनोज कुमार चतुर्वेदी ।
(सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र ग्वालियर रहेगा।)

नमस्ते गरूडारूढे कोलासुरभयंकरि।
सर्वपापहरे देवि महालक्ष्मि नमोस्तुते।।

भावार्थ : गरुड़पर आरूढ हो कोलासुर को भय देने वाली और समस्त पापों को हरने वाली हे भगवति महालक्ष्मी ! तुम्हें प्रणाम है ।

विवरणिका

संपादकीय	.....	02
शुभाशीष	.....	03
कवर स्टोरी	.....	04-05
कवर स्टोरी	.....	06-07
इंदौर	.....	08-09
भारत जोड़ो यात्रा	.....	08-09
त्यौहार	.....	33
धर्म	.....	46
दीपावली	.....	47
त्यौहार	.....	48

संपादकीय

प्रकाश का पर्व... मनुष्य के जीवन में उजास लाने का पर्व...

दीपावली उत्सव भी तो अंधियारे से उजियारे की और चलने, सतत बढ़ने की प्रेरणा का पर्व हैं। दीपावली अमावस की काली रात को मनाई जाती हैं। अमावस की रात में दीपावली को मनाने के पीछे भी शायद अंधेरों से लड़ने का भाव छुपा हैं। भारतवर्ष सहित सम्पूर्ण विश्व में हजारों-लाखों बरसों से दीपोत्सव का यह पर्व श्रीराम के 14 वर्ष के वनवास से अयोध्या लौटने के उल्लास के रुप में मनाया जाता हैं। यह पर्व दीपावली के एक दिन पूर्व राक्षक नरकासुर का भगवान कृष्ण द्वारा किये वध के कारण भी मनाया जाता हैं। यह पर्व जिस उत्साह के साथ अयोध्या में मनाया जाता हैं। गौकुलवासी भी इसे उतने ही उत्साह से मनाते आ रहें हैं। प्रकाश का यह पर्व मनुष्य जीवन मे उजास लाने का पर्व हैं। मनुष्य समाज शुरुवातीं दौर में वस्तुओं का विनिमय कर अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति करता था। अब रुपयों का चलन हैं। दीपावली तब भी मनाई जाती थी जब समाज मे रुपयों का चलन नहीं था। अब अपनी आवश्यकताओं के लिए मनुष्य को रुपयों की आवश्यकता पड़ती हैं। सदियों से एक विशाल जनसमुदाय महालक्ष्मी की आराधना, पूजा कर अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए धन की मांग ही तो करता हैं।

मनोज चतुर्वेदी
संपादक

शुभाशीष

अच्छे विचार से ही हम अपने उद्देश्यों तक पहुंच सकते हैं...

मनुष्य को अन्य जीव-जंतुओं से इसकी विचारशीलता ही अलग करती है। विचारशीलता अगर सकारात्मक रुप में है तब वह व्यक्ति को महान, अच्छा इंसान और समाज सुधारक बनाती है। लेकिन यदि यह नकारात्मक रुप में है तब वह मनुष्य को विनाश की तरफ ले जाती है। राक्षस हो या देवता, यह दोनों मनुष्य रुप में ही होते हैं। लेकिन दोनों में अंतर सिर्फ विचारों का ही होता है। जिनके विचार नकारात्मक होते हैं, वे राक्षसों की श्रेणी में रखे जाते हैं, और जिनके विचार सकारात्मक होते हैं, जो सबको आपस में जोड़ते हैं, ऐसे लोग ही देवता कहलाते हैं। देवत्व सुविचार से ही विकसित होता है। विचारों से हममें संवेदना उत्पन्न होती है और विचार ही हमें असंवेदनशील बनाते हैं। एक संवेदनशील व्यक्ति सिर्फ अपना ही नहीं बल्कि परिवार, समाज, देश और दुनिया का भला कर सकता है। संवेदना हमें सकारात्मक सोच की ओर लेकर जाती है। लेकिन यही विचार अगर नकारात्मक होते हैं तो वे व्यक्ति के विचारों को विकलांग बना देते हैं। सकारात्मक विचारों वाले लोग रचनात्मक एवं सर्जनशील होते हैं। वे हमेशा निर्माण की सोचते हैं और दूसरों का कष्ट नहीं देख सकते। वे जानते हैं कि कष्ट हमेशा व्यक्ति को गलत विचारों की ओर धकेलता है।

डॉ. श्रीमन नारायण मिश्रा
संरक्षक

धनतेरस

पूजा मुहूर्त, खरीदारी का शुभ समय और सोना खरीदने का महत्व

भारत की सभ्यता काफी समृद्ध है और यहां के बाशिंदे उत्सवधर्मी। फसल बुआई कटाई से लेकर जन्म और छोटी से छोटी घटना को सेलिब्रेट करने की यहां की समृद्ध रवायत रही है ।इसी के कारण भारतीय संस्कृति अनोखी है। वैसे तो साल भर यहां कोई न कोई व्रत पूजा, त्योहार चलती रहते हैं। लेकिन पंचांग के अनुसार कुआर और कार्तिक का महीना खास हो जाता है। भारतीयों का फेस्टिव सीजन शुरू हो जाता है। इसकी वजह है कि हिंदू धर्मावलंबियों के बड़े पर्व नवरात्रि में दुर्गा पूजा, दशहरा दिवाली आदि इन्हीं महीनों में पड़ते हैं। इसमें भी कार्तिक का महीना और विशेष है क्योंकि इस महीने में एक साथ ही कई त्योहार पड़ते हैं।

जान लें फेस्टिव सीजन में अभी कौन-कौन से त्योहार पड़ेंगे

त्योहार तारीख
धनतेरस 22 अक्टूबर
नरक चतुर्दशी 23 अक्टूबर
दिवाली 24 अक्टूबर
गोवर्धन पूजा 26 अक्टूबर
भाई दूज 27 अक्टूबर

क्यों मनाते हैं धनतेरस

हिंदू धर्मावलंबी हर कार्तिक माह की त्रयोदशी तिथि को धनतेरस मनाते हैं। इस दिन भगवान धन्वंतरि (जिन्हें कुछ विद्वान भगवान विष्णु का अवतार ही मानते हैं), माता लक्ष्मी और देवताओं के कोषाध्यक्ष कुबेर की पूजा की जाती है। इस तिथि को हिंदू धर्मावलंभी भगवान धन्वंतरि के जन्मदिन के रूप में सेलिब्रेट करते हैं। अक्सर यह तिथि छोटी दिवाली से एक दिन पहले पड़ती है। धन तेरस पर इनकी पूजा के साथ घर में कोई नया सामान लाना शुभ माना जाता है। इसलिए इस दिन बाजार में तेजी रहती है। इस दिन खास तौर पर सोने चांदी के गहने और बर्तनों की खरीद होती है। लेकिन बाइक या अन्य सामानों की खरीदारी भी खूब होती है। यह भी कहा जाता है इस दिन घर लाई गई चल अचल संपत्ति में 13 गुना वृद्धि होती है। धनतेरस 2022 और पूजा का शुभ मुहूर्तः पंचांग के अनुसार कार्तिक कृष्ण पक्ष त्रयोदशी इस साल 22 अक्तूबर को पड़ रही है। लखनऊ के ज्योतिषाचार्य उमा शंकर मिश्र के अनुसार त्रयोदशी तिथि 22 अक्तूबर शाम छह बजकर 02 मिनट से शुरू हो रही है। जो 23 अक्तूबर शाम छह बजकर 03 मिनट पर संपन्न होगी।

स्वर्ण खरीदने का इतिहास

धनतेरस पर सोना खरीदने की परंपरा की शुरुआत से जुड़ी एक कहानी है। इसके अनुसार प्राचीन काल में हिमा नाम का एक राजा था, उसने अपने 16 साल के पुत्र का विवाह कर दिया। इस बीच ज्योतिषियों ने बताया कि उसके पुत्र की विवाह के चौथे दिन सर्प दंश से मौत हो जाएगी, यह बात राजा ने बहू को भी बताई। इस भविष्यवाणी से दोनों चिंतित हुए लेकिन बहू बुद्धिमती थी, चौथे दिन उसने महल का सारा स्वर्ण मुख्य द्वार पर रखवा दिया और पति को सोने नहीं दिया और खुद भी जागकर गाने लगी। इसी वक्त निर्धारित समय पर यमराज आए और सर्प का वेश धारण कर मुख्य द्वार पर पहुंचे तो सोने की चमक से उनकी आंखें चौंधिया गईं, उन्हें महल के भीतर प्रवेश का रास्ता भी नहीं मिला। इस बीच दुल्हन के गीत सुनने में वे सबकुछ भुला बैठे और इस बीच राजकुमार की मृत्यु का समय बीत गया। इससे उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ा, तभी से लोग सौभाग्य के लिए इस दिन स्वर्ण की खरीदारी करने लगे।

धनतेरस 2022 पूजा मुहूर्त

धनतेरस पर पूजा का मुहूर्त 22 अक्टूबर रविवार को शाम पांच बजकर 44 मिनट से 06 बजकर 05 मिनट तक है।

धनतेरस 2022 खरीदारी का शुभ समय

शाम 07 बजकर 03 मिनट से रात 10 बजकर 39 मिनट तक।
धनतेरस पूजा विधिः जो शख्स पहली बार पूजा कर रहा है, उसे यह विधि अपनानी चाहिए। धनतेरस के दिन शाम को शुभ मुहूर्त में एक लकड़ी की चौकी पर उत्तर की ओर कुबेर और भगवान धन्वंतरि को बैठाएं मां लक्ष्मी और गणेश की प्रतिमा या तस्वीर जो भी उपलब्ध हो, उसको भी वहीं आसन दें। फिर दीप जलाकर पूजा शुरू करें सभी का तिलक करने के बाद पुष्प, फल आदि अर्पित करें कुबेर को सफेद मिष्ठान्न और भगवान धन्वंतरि को पीले मिष्ठान्न अर्पित करें पूजा के दौरान बारी बारी से ऊं ह्रीं कुबेराय नमः मंत्र का जाप करते रहें भगवान धन्वंतरि की पूजा कर धन्वंतरि स्त्रोत का पाठ करें सभी देवी देवताओं की आरती करें और पूजा के दौरान हुई त्रुटि के लिए क्षमा मांगें

धनतेरस का महत्व

मान्यता है कि इसी दिन समुद्र मंथन के दौरान भगवान धन्वंतरि ही कलश में अमृत लेकर प्रकट हुए थे। इसी से इस दिन को भगवान धन्वंतरि जयंती के रूप में मनाते हैं और उनकी पूजा करते हैं। इसी दिन माता लक्ष्मी और कुबेर की भी पूजा की जाती है। इसके पीछे मान्यता है कि इन देवताओं की कृपा से घर में धन की कमी नहीं रहती है। इस दिन बर्तन, आभूषण और अन्य चीजें खरीदने की परंपरा है।

सोना खरीदने के पीछे कारण

त्रयोदशी में भारत में सोने की खरीद की पुरानी परंपरा है। क्योंकि इसे समृद्धि और सौभाग्य से जोड़कर देखा जाता है। मान्यता है कि इसमें माता लक्ष्मी का वास होता है। इसीलिए इस दिन माता लक्ष्मी के रूप में इसकी पूजा होती है।

धनतेरस पर लक्ष्मी-गणेश ही नहीं, इन देवताओं का भी होता है पूजन

कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी को धनतेरस का त्योहार मनाया जाता है। धनतेरस या धनत्रयोदशी से हई दीपावली का 5 दिन का महापर्व आरंभ हो जाता है। धनतेरस के दिन लोग शगुन के तौर पर सोना-चांदीके बर्तन या आभूषण खरीदते हैं। पौराणिक कथाओं के अनुसार धनतेरस के दिन हई वैद्य धन्वंतरि समुद्र मंथन से हाथ में अमृत कलश लेकर प्रकट हुए थे। पुराणों के अनुसार भगवान धन्वंतरि देवी लक्ष्मी के हाथ में अमृत कलश लिए हुए समुद्र मंथन से उत्पन्न हुए थे। इसलिए इसे धन्वंतरि जयंती के नाम से भी जाना जाता है। यही कारण है दीपावली के पहले, यानी धनतेरस से ही दिवाली का आरंभ हो जाता है। धनतेरस के दिन श्री गणेश, धन के देवता कुबेर, औषधि के देवता धन्वंतरि तथा सुख, समृद्धि तथा वैभव की देवी महालक्ष्मी की पूजा विधि विधान से एक साथ की जाती है।

गणेश पूजा से करें आरंभ

श्री गणेश सबके आराध्य माने जाते हैं , इसीलिए सबसे पहले भगवान गणेश की पूजा की जाती है। धनतेरस पर श्री गणेश की पूजन विधि इस प्रकार है-

- सर्वप्रथम श्री गणेश को स्नान कराएं।
- इसके उपरांत विघ्नहर्ता श्री गणेश को चंदन या कुमकुम का तिलक लगाएं।
- फिर उन्हें लाल रंग के वस्त्र पहनाएं और फिर ताजे पुष्प अर्पण करें।
- अब धनतेरस की पूजा शुरू करने से पूर्व नीचे दिए गए मंत्र का जाप अवश्य करें-

वक्रतुण्ड महाकाय सूर्यकोटि समप्रभ ।
निर्विघ्नं कुरु मे देव सर्वकार्येषु सर्वदा ॥

अब करें धन्वंतरि देव का पूजन

- श्री गणेश के पूजन के बाद भगवान धन्वंतरि का पूजन आरंभ करें। इनका पूजन इस प्रकार करें-
- सर्वप्रथम भगवान धन्वंतरि की मूर्ति स्थापित कर उन्हें स्नान कराएं।
- अब धन्वंतरि देव का अभिषेक करें।
- इसके बाद उन्हें 9 प्रकार के अनाज का भोग लगाएं।
- मान्यता है कि भगवान धन्वंतरि को पीली मिठाई और पीली चीज प्रिय है, तो संभव हो तो उन्हें पीले रंग की वस्तुएं ही अर्पित करें।
- अब अपने परिवार के अच्छे स्वास्थ्य और भलाई के लिए प्रार्थना करते हुए इस मंत्र का जाप करें-

'ॐ नमो भगवते महा सुदर्शनाया वासुदेवाय धन्वन्तरये
- अमृत कलश हस्ताय सर्व भय विनाशाय सर्व रोग निवारणाय
- त्रैलोक्य पतये, त्रैलोक्य निधये

श्री महा विष्णु स्वरूप, श्री धन्वंतरि स्वरुप
श्री श्री श्री औषध चक्र नारायणाय स्वाहा

ऐसे करें धन देवता कुबेर का पूजन

- भगवान कुबेर धन के अधिपति हैं। मान्यता है जो भी व्यक्ति पूरे विधि विधान से भगवान कुबेर की पूजा करता है उसके घर में कभी धन संपत्ति की कमी नहीं रहती है। कुबेर देव की पूजा के समय सदैव इस बात का विशेष ध्यान रखें कि उनकी पूजा प्रदोष काल में ही करें।
- सर्वप्रथम कुबेर देव कि मूर्ति स्थापित कर उन्हें स्नान कराएं।
- इसके उपरांत उन्हें फूल, फल, चावल, रोली-चंदन, अर्पित करें।
- इसके बाद धूप-दीप का उपयोग कर उनका पूजन करें। भगवान कुबेर को सफेद मिठाई का भोग लगाएं।
- धन देवता कुबेर के पूजन के दौरान इस मंत्र का जाप करें-
- ऊँ यक्षाय कुबेराय वैश्रवणाय धनधान्याधिपतये धनधान्यसमृद्धिं में देहि दापय।

महालक्ष्मी पूजन के बिना अधूरी है धनतेरस की पूजा

महालक्ष्मी का पूजन धनतेरस के दिन प्रदोष काल में ही किया जाता है। पूजन विधि इस प्रकार है-

माता लक्ष्मी की पूजा शुरू करने से पूर्व एक चौकी पर एक लाल रंग का वस्त्र बिछाकर उसमें मुट्ठी भर अनाज रख लें।

इसके बाद कलश में गंगाजल रखें।

इसके साथ ही सुपारी, फूल, एक सिक्का और कुछ चावल के दाने और अनाज भी इस कलश के ऊपर रखें।

इसके बाद लक्ष्मी जी की प्रतिमा का पंचामृत (दूध, दही, घी, मक्खन और शहद का मिश्रण) से स्नान कराएं।

फिर जल से स्नान कराकर माता लक्ष्मी को चंदन लगाएं, इत्र, सिंदूर, हल्दी, गुलाल आदि अर्पित करें।

अंत में सफलता, समृद्धि, खुशी और कल्याण की कामना करें।

अब नीचे दिए गए मंत्र का जाप करें-

ॐ श्रीं ह्रीं श्रीं कमले कमलालये प्रसीद प्रसीद, ॐ श्रीं ह्रीं श्रीं महालक्ष्मयै नमः॥

धनतेरस और नमक का क्या है कनेक्शन...

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार धनतेरस के दिन घर में नमक अवश्य ही खरीद कर लाना चाहिए, क्योंकि धनतेरस के दिन खरीदी किए गए नमक से घर में सुख-समृद्धि आती है, धन लाभ भी होता है। उस घर पर सदा माता धनलक्ष्मी की कृपा बनी रहती है, जो धनतेरस के दिन एक पैकेट नमक खरीदते हैं।

ऐसी मान्यता हैं कि इस दिन नमक का नया पैकेट खरीदकर खाना बनाने में उस नए नमक ही प्रयोग करना चाहिए, इससे घर के मुखिया के धन की आवक में वृद्धि होती है। तथा आसानी से बाजार में उपलब्ध यह नमक आपके घर में कभी भी धन की कमी नहीं होने देता है। इसके अलावा नमक के नए पैकेट का उपयोग आप कई प्रकार से करके घर में शुभता तथा धन-धान्य में बढ़ोतरी कर सकते हैं।

धनतेरस के दिन खरीदे गए नमक के पैकेट से थोड़ासा नमक कांच के बाउल अथवा कांच की छोटी शीशी में भरकर घर के उत्तर-पूर्व कोने में रखने से जहां घर की नकारात्मकता दूर होती है, वही धन के आगमन के नए रास्ते भी मिलने लगेंगे।

इस दिन खरीदे गए नमक से धनतेरस से दीपावली तक घर में पोंछा लगाने से भी घर की निगेटिव एनर्जी दूर होकर घर में सुख, शांति, धन, वैभव में बढ़ोतरी होती है।

इतना ही नहीं कम पैसे खर्च करके धनतेरस के दिन सिर्फ एक नमक का पैकेट खरीद कर आप अपने जीवन में बड़ा बदलाव करते हैं। इस दिन नमक खरीदने वाले व्यक्ति को जीवन में कभी भी आर्थिक तंगी का सामना नहीं करना पड़ता है तथा उस घर पर माता लक्ष्मी हमेशा प्रसन्न रहती है।

इसके अलावा ऐश्वर्य प्राप्ति के लिए इस दिन झाड़, खड़ा या साबुत धनिया, कौड़ी, कमल गट्टे तथा हल्दी की गांठ भी खरीदने की पुरातन परंपरा है। धनतेरस के दिन इन चीजों को खरीदने से धन की देवी कभी भी आपका साथ नहीं छोड़ती हैं तथा हमेशा आप पर अपनी अपार कृपा बरसाती है।

नरक चतुर्दशी..

अभ्यंग स्नान के मुहूर्त, महत्व और उपाय एक साथ

नरक चतुर्दशी को रूप चौदस, काली चौदस और छोटी दिवाली भी कहते हैं। इस दिन सूर्योदय के पूर्व उठकर स्नान करके पूजा की जाती है। इस बार नरक चौदस का पर्व 24 अक्टूबर 2022 सोमवार के दिन मनाया जाएगा। क्योंकि सूर्योदय पर चतुर्दशी मनाने का विधान सबसे ज्यादा प्रचलित है। आओ जानते हैं कि क्या है अभ्यंग स्नान के मुहूर्त। इस दिन का महत्व और उपाय।

नरक चतुर्दशी तिथि 2022 : त्रयोदशी तिथि 23 अक्टूबर को शाम 06 बजकर 03 मिनट तक रहेगी इसके बाद नरक चतुर्दशी प्रारंभ होगी जो अगले दिन यानी 24 अक्टूबर को शाम 05 बजकर 27 मिनट तक रहेगी। उदया तिथि के मान से नरक चतुर्दशी का त्योहार 24 अक्टूबर 2022 सोमवार को मनाया जाएगा।

सूर्योदय कब होगा : मुंबई के समय अनुसार प्रातः 06:35 पर सूर्योदय होगा।

अभ्यंग स्नान समय मुहूर्त : प्रातः 05:04:59 से 06:27:13 तक।

रूप चौदस पर स्नान का महत्व : कहते हैं कि इस दिन श्रीकृष्ण और सत्यभामा ने मिलकर नरकासुर का वध किया था। वध करने के बाद उन्होंने तेल से स्नान करके शरीर और मन को शुद्ध किया था। तभी से यह प्रथा चली आ रही है। इस दिन इस यम पूजा, कृष्ण पूजा और काली पूजा होती है। इस दिन अभ्यंग स्नान करने से सौंदर्य एवं ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है। इस दिन पूजा करने से नरक से मुक्ति मिलती है।

नरक चतुर्दशी के दिन दिन संध्या काल में दीये के प्रकाश से अंधकार को प्रकाश पुंज से दूर कर दिया जाता है। इसी वजह से नरक चतुर्दशी को छोटी दीपावली भी कहते हैं। नरक चतुर्दशी का पूजन अकाल मृत्यु से मुक्ति, सौंदर्य और स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए किया जाता है।

नरक चतुर्दशी के सरल उपाय

1. इस दिन प्रातःकाल में सूर्योदय से पूर्व उठकर उबटन लगाकर नीम, अपामार्ग यानी चिचड़ी जैसे कड़ुवे पत्ते डाले गए जल से स्नान करें। उक्त कार्य नहीं कर सकते हैं तो मात्र चंदन का लेप लगाकर सूख जाने के बाद तिल एवं तेल से स्नान किया जाता है। प्रातः स्नान के बाद सूर्यदेव को अर्घ्य दिया जाता है। इससे सौंदर्य और ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है। स्नान करने के बाद दक्षिण दिशा में मुख करके हाथ जोड़कर यमराज से प्रार्थना करें। ऐसा करने से मनुष्य द्वारा अब तक किए गई सभी पापों का नाश होकर स्वर्ग का रास्ता खुल जाता है।

2. इस दिन भगवान श्रीकृष्ण की पूजा की जाती है। उनकी पूजा से सभी तरह का संताप मिट जाता है और व्यक्ति बंधन मुक्त हो जाता है।

3. इस दिन काली चौदस भी रहती है अतः इस दिन कालिका माता की विशेष पूजा करने से सभी तरह की मनोकामना पूर्ण होती है और हर तरह का संताप मिट जाता है।

4. इसी दिन यम की पूजा करने के बाद शाम को दहलीज पर उनके निमित्त दीप जलाएं जाते हैं जिससे अकाल मृत्यु नहीं होती है।

5. इस दिन को शिव चतुर्दशी भी रहती है अतः दिन में भगवान शिव को पंचामृत अर्पित किया जाता है। साथ में माता पार्वती की पूजा भी की जाती है।

6. इस दिन सूर्यास्त के पश्चात लोग अपने घरों के दरवाजों पर चौदह दीये जलाकर दक्षिण दिशा में उनका मुख करके रखते हैं तथा पूजा-पाठ करते हैं।

7. इस दिन हनुमान जयंती भी रहती है अतः हनुमान पूजा करने से सभी तरह का संकट टल जाता है और निर्भिकता का जन्म होता है।

8. इस दिन दक्षिण भारत में वामन पूजा का भी प्रचलन है। कहते हैं कि इस दिन राजा बलि (महाबली) को भगवान विष्णु ने वामन अवतार में हर साल उनके यहां पहुंचने का आशीर्वाद दिया था। इसी कारण से वामन पूजा की जाती है। अनुसरराज बलि बोले, हे भगवन! आपने कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी से लेकर अमावस्या की अवधि में मेरी संपूर्ण पृथ्वी नाप ली है, इसलिए जो व्यक्ति मेरे राज्य में चतुर्दशी के दिन यमराज के निमित्त दीपदान करेगा, उसे यम यातना नहीं होनी चाहिए और जो व्यक्ति इन तीन दिनों में दीपावली का पर्व मनाए, उनके घर को लक्ष्मीजी कभी न छोड़ें। ऐसे वरदान दीजिए। यह प्रार्थना सुनकर भगवान वामन बोले- राजन! ऐसा ही होगा, तथास्तु। भगवान वामन द्वारा राजा बलि को दिए इस वरदान के बाद से ही नरक चतुर्दशी के दिन यमराज के निमित्त व्रत, पूजन और दीपदान का प्रचलन आरंभ हुआ।

दीपावली

पर करें धन लक्ष्मी यंत्र की स्थापना, होगी आपके धन की वृद्धि

दिवाली के त्योहार में मात्र कुछ ही दिन शेष हैं। ऐसे में घरों में जोरशोर से दिवाली की तैयारी शुरू हो चुकी है। दिवाली के दिन घर में लक्ष्मी जी के आगमन हेतु ढेर सारे उपाय किए जाते हैं। घर की साफ सफाई करने से लक्ष्मी जी प्रसन्न होती हैं। दिवाली पर घर में लक्ष्मी गणेश जी की स्थापना के साथ धन की देवई माता लक्ष्मी के यंत्र को भीई स्थापित करना चाहिए। धनलक्ष्मी यंत्र धन और समृद्धि की देवी मां लक्ष्मी से संबंधित है। माता लक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए श्रीयंत्र यह धन लक्ष्मी यंत्र को घर पर स्थापित करना शुभ माना गया है। मान्यता है कि श्री यंत्र से मां लक्ष्मी भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। यह धन लक्ष्मी यंत्र धन, प्रसिद्धि और सफलता परदान करता है। आइए जानते हैं श्री यंत्र को घर पर कहां और किस विधि से स्थापित करना चाहिए।

धन लक्ष्मी यंत्र के लाभ

- इस यंत्र की महिमा के कारण आप पर हमेशा मां लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है।
- घर में कभी भी पैसों की कमी नहीं होती है और सुख-शांति बनी रहती है।
- आपको हर तरह की आर्थिक परेशानी से बचाने के लिए यह चमत्कारी यंत्र बहुत कारगर माना जाता है।
- यदि परिवार का कोई व्यक्ति लंबे समय से किसी गंभीर बीमारी से पीड़ित है तो इस यंत्र की विधि विधान से पूजा करने से उस रोग में लाभ मिलता है।
- इस यंत्र की महिमा से आप अपना पुराना रुका हुआ धन वापस पा सकते हैं और कर्ज से जल्द मुक्ति पा सकते हैं।
- इस यंत्र की प्रतिदिन पूजा करने से धन प्राप्ति के नए-नए उपाय प्राप्त होते हैं।

ऐसे स्थापित करें धन लक्ष्मी यंत्र

यदि आप सुख समृद्धि और यश पाना चाहते हैं तो श्री यंत्र को पूरे विधि विधान से स्थापित करना चाहिए। स्नान आदि से निवृत्त होकर श्री यंत्र को पंचामृत और गंगाजल से साफ करके ईशान कोण में एक लाल वस्त्र बिछाकर स्थापित करें। इस दौरान बीज मंत्र- ॐ श्रीं ह्रीं श्रीं नमः या ॐ श्रीं ह्रीं श्रीं का जाप करते रहें। श्री यंत्र को स्थापित करने समय आपका मुख पूर्व या उत्तर दिशा की तरफ होना चाहिए।

धन लक्ष्मी यंत्र की पूजा विधि

- धन लक्ष्मी यंत्र की पूजा विधि की शुरुआत सुबह से ही हो जाती है। इसके लिए प्रातः काल स्नान कर स्वच्छ पीले रंग के वस्त्र धारण करें।
- दूध और गंगाजल के मिश्रण से स्नान कर साफ सूती लाल कपड़े पर रखकर किसी पवित्र स्थान पर रख दें।
- ध्यान रहे कि आप इसे तिजोरी, मंदिर, किचन या ऑफिस में रख सकते हैं।
- पूजा से पहले इस यंत्र को पंचामृत में रखें और उस पर लाल चंदन छिड़कें। इसके बाद कुछ लाल गुलाब के फूल और चावल लेकर यंत्र पर रख दें और फिर उसके ऊपर लाल चुन्नी डाल दें। • धन लक्ष्मी यंत्र के सामने घी का दीपक जलाएं और मां धनलक्ष्मी यंत्र की आरती करें। आप चाहें तो दुर्गा सप्तमी का पाठ भी कर सकते हैं।
- पूरी भक्ति के साथ आप हाथ जोड़कर धन लक्ष्मी यंत्र के सामने खड़े हो जाएं और मन ही मन इस मंत्र का जाप करें।
- ऊं श्रीं ह्रीं श्रीं कमले कमलालये प्रसीद प्रसीद,
- ऊं श्रीं ह्रीं श्रीं महालक्ष्मयै नमः॥
- यह प्रभावशाली लक्ष्मी यंत्र आपको शीघ्र ही फल देगा।

जानिए लक्ष्मी पूजा का शुभ मुहूर्त, पूजा विधि

प्रकाश का पर्व दीपावली इस वर्ष 24 अक्तूबर,सोमवार को मनाई जाएगी। हिंदू धर्म में दिवाली सबसे बड़ा त्योहार होता है। हिंदू पंचांग के अनुसार दीपावली प्रत्येक वर्ष कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि पर मनाई जाती है। दिवाली रोशनी का पर्व है। मान्यता है इस दिन भगवान राम ने लंका पर विजय प्राप्ति के बाद अयोध्या आए थे जिसकी खुशी में सभी नगरवासी अपने प्रभु राम के स्वागत में दीप जलाएं थे। इसके अलावा ऐसी मान्यता भी है कि दीपावली पर मां लक्ष्मी प्रकट हुई थीं इस कारण दिवाली पर लक्ष्मी पूजन का विशेष महत्व होता है। कार्तिक अमावस्या पर दीपदान करने का विशेष महत्व होता है। पुराणों के अनुसार समुद्र मंथन के दौरान कार्तिक माह की अमावस्या पर मां लक्ष्मी प्रकट हुई थीं,वहीं वाल्मीकि रामायण के अनुसार इस दिन भगवान विष्णु संग माता लक्ष्मी का विवाह हुआ था। इस वजह से हर साल दिवाली पर लक्ष्मी पूजन का महत्व है। दिवाली आने से कई दिनों पहले से ही घरों की साफ-सफाई और सजावट होने लगती है। दिवाली की शाम को शुभ मुहूर्त में लक्ष्मी-गणेश,कुबेर और माता सरस्वती की विशेष पूजा आराधना की जाती है।

दिवाली लक्ष्मी-गणेश पूजा शुभ मुहूर्त

दिवाली 2022- 24 अक्तूबर

लक्ष्मी-गणेश पूजन का शुभ मुहूर्त -शाम 06 बजकर 54 मिनट से 08 बजकर 16 मिनट तक

लक्ष्मी पूजन की अवधि-1 घंटा 21 मिनट

प्रदोष काल - शाम 05 बजकर 42 मिनट से रात 08 बजकर 16 मिनट तक

वृषभ काल - शाम 06 बजकर 54 मिनट से रात 08 बजकर 50 मिनट तक

दिवाली लक्ष्मी पूजा महानिशीथ काल मुहूर्त

लक्ष्मी पूजा मुहूर्त्त - रात 11 बजकर 40 मिनट से लेकर 12 बजकर 31 मिनट तक

अवधि - 50 मिनट तक

दिवाली शुभ चौघड़िया मुहूर्त 2022

सायंकाल मुहूर्त्त (अमृत,चल):17:29 से 19:18 मिनट तक

रात्रि मुहूर्त्त (लाभ) :22:29 से 24:05 मिनट तक

रात्रि मुहूर्त्त (शुभ,अमृत,चल):25:41 से 30:27 मिनट तक

गोवर्धन पूजा

जानें... विधि, मुहूर्त, महत्व और कथा

हिंदू पंचांग के अनुसार, कार्तिक माह में शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि पर गोवर्धन पूजा की जाती है। यानी दिवाली अगले दिन ये पर्व मनाया जाता है। इस साल 24 अक्टूबर को दिवाली है। इस हिसाब से गोवर्धन पूजा 25 अक्टूबर को होनी चाहिए, लेकिन इस बार दिवाली और गोवर्धन पूजा के बीच में सूर्य ग्रहण लग रहा है। ऐसे में सूर्यग्रहण के कारण इस साल दिवाली के अगले दिन 25 अक्टूबर को गोवर्धन पूजा नहीं होगी। सूर्य ग्रहण की वजह से गोवर्धन पूजा 26 अक्टूबर को है। गोवर्धन पूजा को अन्नकूट के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन महिलाएं अपने घर के आंगन में गोबर से गोवर्धन पर्वत की आकृति बनाती हैं और उसकी पूजा करती हैं। चलिए जानते हैं कि इस बार दीपावली के एक दिन बाद क्यों मनाया जाएगा गोवर्धन पूजा का पर्व, इसकी पूजा विधि और शुभ मुहूर्त...

गोवर्धन पूजा मुहूर्त

इस साल 26 अक्टूबर को गोवर्धन पूजा है। कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि 25 अक्टूबर को शाम 4 बजकर 18 मिनट पर शुरू हो रही है। ये तिथि 26 अक्टूबर को दोपहर 2 बजकर 42 मिनट पर समाप्त होगी। वहीं इस दिन पूजा का शुभ मुहूर्त सुबह 6 बजकर 29 मिनट से लेकर सुबह 8 बजकर 43 मिनट तक रहेगा।

गोवर्धन पूजा विधि

गोवर्धन पूजा के दिन सुबह काल जल्दी उठकर स्नानादि करें। फिर शुभ मुहूर्त में गाय के गोबर से गिरिराज गोवर्धन पर्वत की आकृति बनाएं और साथ ही पशुधन यानी गाय, बछड़े आदि की आकृति भी बनाएं। इसके बाद धूप-दीप आदि से विधिवत पूजा करें। भगवान कृष्ण को दुग्ध से स्नान कराने के बाद उनका पूजन करें। इसके बाद अन्नकूट का भोग लगाएं।

गोवर्धन पूजा का महत्व

मान्यताओं के अनुसार, भगवान कृष्ण के द्वारा ही सर्वप्रथम गोवर्धन पूजा आरंभ करवाई गई थी और गोवर्धन पर्वत तो अपनी उंगली पर उठाकर इंद्रदेव के क्रोध से ब्रज वासियों और पशु-पक्षियों की रक्षा की थी। यही कारण है कि गोवर्धन पूजा में गिरिराज के साथ कृष्ण जी के पूजन का भी विधान है। इस दिन अन्नकूट का विशेष महत्व माना जाता है।

गोवर्धन पूजा की कथा

गोवर्धन पूजा की पौराणिक कथा के अनुसार द्वापर युग में एक बार देवराज इंद्र को अपने ऊपर अभिमान हो गया था। इंद्र का अभिमान चूर करने के लिए भगवान श्री कृष्ण ने एक अद्भुत लीला रची। श्री कृष्ण में देखा कि एक दिन सभी बृजवासी उत्तम पकवान बना रहे थे और किसी पूजा की तैयारी में व्यस्त थे। इसे देखते हुए कृष्ण जी ने माता यशोदा से पूछा कि यह किस बात की तैयारी हो रही है? कृष्ण की बातें सुनकर यशोदा माता ने बताया कि इंद्रदेव की सभी ग्राम वासी पूजा करते हैं जिससे गांव में ठीक से वर्षा होती रहे और कभी भी फसल खराब न हो और अन्न धन बना रहे। उस समय लोग इंद्र देव को प्रसन्न करने के लिए अन्नकूट (अन्नकूट का महत्व)चढ़ाते थे। यशोदा मइया ने कृष्ण जी को यह भी बताया कि इंद्र देव की कृपा से ही अन्न की पैदावार होती है और उनसे गायों को चारा मिलता है।

इस बात पर श्री कृष्ण ने कहा कि फिर इंद्र देव की जगह गोवर्धन पर्वत की पूजा होनी चाहिए क्योंकि गायों को चारा वहीं से मिलता है। इंद्रदेव तो कभी प्रसन्न नहीं होते हैं और न ही दर्शन देते हैं। इस बात पर बृज के लोग इंद्र देव की जगह गोवर्धन पर्वत की पूजा करने लगे। यह देखकर इंद्र देव क्रोधित हुए और उन्होंने मूसलाधार वर्षा शुरू कर दी। इंद्रदेव ने इतनी वर्षा की कि उससे बृज वासियों को फसल के साथ काफी नुकसान हो गया। ब्रजवासियों को परेशानी में देखकर श्री कृष्ण ने अपनी कनिष्ठा उंगली पर पूरा गोवर्धन पर्वत उठा लिया और सभी ब्रजवासियों को अपने गाय और बछड़े समेत पर्वत के नीचे शरण लेने के लिए कहा। इस बात पर इंद्र कृष्ण की यह लीला देखकर और क्रोधित हो गए और उन्होंने वर्षा की गति को और ज्यादा तीव्र कर दिया। तब श्री कृष्ण ने सुदर्शन चक्र से कहा कि आप पर्वत के ऊपर विराजमान होकर वर्षा की गति को नियंत्रित करें और शेषनाग से कहा आप मेड़ बनाकर पानी को पर्वत की ओर आने से रोकें।

इंद्र लगातार सात दिन तक वर्षा करते रहे तब ब्रह्मा जी ने इंद्र से कहा कि श्री कृष्ण भगवान विष्णु के अवतार हैं और उन्हें कृष्ण जी की पूजा की सलाह दी। ब्रह्मा जी की बात सुनकर इंद्र ने श्री कृष्ण से क्षमा मांगी और उनकी पूजा करके अन्नकूट का 56 तरह का भोग लगाया। तभी से गोवर्धन पर्वत पूजा की जाने लगी और श्री कृष्ण को प्रसाद में 56 भोग चढ़ाया जाने लगा।

भाई दूज को लेकर असमंजस.. जानें... सही विधि, मुहूर्त, महत्व और कथा

भाई दूज को लेकर इस बार असमंजस की स्थिति बनी हुई है। कुछ जगहों पर यह त्योहार 26 अक्टूबर को मनाया जा रहा है तो कुछ जगहों पर 27 अक्टूबर को। ऐसे में सही तिथि और मुहूर्त की जानकारी नहीं मिल पा रही है। हमारा यह लेख आपको भाई दूज की सही तिथि और मुहूर्त के बारे में जानकारी देगा।

भाई दूज के दिन करें इनकी पूजा

भाई दूज का त्योहार हर साल कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की द्वितीया तिथि को मनाया जाता है। इस साल तिथियों को लेकर उलझन की स्थिति बनी हुई है, जिससे लोगों के मन में सवाल उठ रहा है कि भाई दूज किस दिन मनाएंगे। आइए जानते हैं पंचांग और शास्त्रीय नियम के अनुसार, भाई दूज कब मना सकते हैं। 26 या 27 अक्टूबर में से किस दिन भाई दूज मनाना सही रहेगा।

दोपहर में होती है की पूजा

शास्त्रों में उल्लेख मिलता है कि यम द्वितीया यानी भाई दूज के दिन यमराज अपनी बहन के घर दोपहर के समय आए थे और बहन की पूजा स्वीकार करके उनके घर भोजन किया था। वरदान में यमराज ने यमुना से कहा था कि यम द्वितीया यानी भाई दूज के दिन जो भाई बहनों के घर आकर बहनों की पूजा स्वीकार करेंगे और उनके हाथों से बना भोजन करेंगे तो उनको अकाल मृत्यु का भय नहीं रहेगा। इसलिए यम द्वितीया भाई दूज में दोपहर के समय द्वितीया का अधिक महत्व है।

भाई दूज में इनकी करें पूजा

शास्त्रों में बताया गया है कि कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की द्वितीया तिथि, जिस दिन दोपहर के समय होती है, उसी दिन भाई दूज का त्योहार मनाना चाहिए। इसी दिन यमराज, यमदूत और चित्रगुप्त की पूजा करनी चाहिए और इनके नाम से अर्घ्य और दीपदान भी करना चाहिए। लेकिन अगर दोनों दिन दोपहर में द्वितीया तिथि हो तब पहले दिन ही द्वितीया तिथि में यम द्वितीया भाई दूज का पर्व मनाना चाहिए।

26 को ही मनाएं भाई दूज का पर्व

इस साल भाई दूज पर यही स्थिति बनी हुई है कि दो दिन यानी 26 और 27 अक्टूबर को कार्तिक कृष्ण द्वितीया तिथि लग रही है। 26 अक्टूबर को दिन में 02 बजकर 43 मिनट से भाई दूज का पर्व मनाना शुभ रहेगा, जो 27 अक्टूबर को दोपहर 01 बजकर 18 मिनट से 03 बजकर 30 मिनट तक रहेगा। ऐसे में 26 अक्टूबर को ही भाई दूज का पर्व मनाना शास्त्र के अनुकूल रहेगा।

27 को पूजा का शुभ मुहूर्त

बहुत स्थानों पर लोग उदया तिथि के हिसाब से मनाते हैं। ऐसे में जहां पर लोग उदया तिथि को मानते हैं, वहां पर 27 अक्टूबर को भी भाई दूज की पूजा कर सकते हैं। 27 अक्टूबर को जो लोग भाई दूज का पर्व मनाएंगे, उनके लिए शुभ मुहूर्त 11 बजकर 07 मिनट से 12 बजकर 46 मिनट तक ही रहेगा। इस तरह इस साल रक्षा बंधन की तरह भाई दूज का त्योहार भी दो दिन मनाया जाएगा। आप अपनी परंपरा और लोकाचार के अनुसार, 26 और 27 अक्टूबर में से जिस दिन चाहें भाई दूज का पर्व मना सकते हैं।

भाई दूज कथा

भगवान सूर्य नारायण की पत्नी का नाम छाया था। उनकी कोख से यमराज तथा यमुना का जन्म हुआ था। यमुना यमराज से बड़ा स्नेह करती थी। वह उससे बराबर निवेदन करती कि इष्ट मित्रों सहित उसके घर आकर भोजन करो। अपने कार्य में व्यस्त यमराज बात को टालता रहा। कार्तिक शुक्ला का दिन आया। यमुना ने उस दिन फिर यमराज को भोजन के लिए निमंत्रण देकर, उसे अपने घर आने के लिए वचनबद्ध कर लिया। यमराज ने सोचा कि मैं तो प्राणों को हरने वाला हूं। मुझे कोई भी अपने घर नहीं बुलाना चाहता। बहन जिस सद्भावना से मुझे बुला रही है, उसका पालन करना मेरा धर्म है। बहन के घर आते समय यमराज ने नरक निवास करने वाले जीवों को मुक्त कर दिया। यमराज को अपने घर आया देखकर यमुना की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उसने स्नान कर पूजन करके व्यंजन परोसकर भोजन कराया। यमुना द्वारा किए गए आतिथ्य से यमराज ने प्रसन्न होकर बहन को वर मांगने का आदेश दिया। यमुना ने कहा कि भद्र! आप प्रति वर्ष इसी दिन मेरे घर आया करो। मेरी तरह जो बहन इस दिन अपने भाई को आदर सत्कार करके टीका करें, उसे तुम्हारा भय न रहे। यमराज ने तथास्तु कहकर यमुना को अमूल्य वस्त्राभूषण देकर यमलोक की राह की। इसी दिन से पर्व की परम्परा बनी। ऐसी मान्यता है कि जो आतिथ्य स्वीकार करते हैं, उन्हें यम का भय नहीं रहता। इसीलिए भैयादूज को यमराज तथा यमुना का पूजन किया जाता है।

दीपावली, गोवर्धन, भाई दोज की बहुत बहुत शुभकामनाएं...

शुभ दिपावली

शुभकामनाएं कर्ता : प्रो. नारायण दास गुप्ता
पूर्व पार्षद एवं चेयरमैन नगर पालिका डबरा, पूर्व लॉयन्स क्लब अध्यक्ष

साख व्यवसाय में कार्यरत

दि स्टेट सिटीजन साख सहकारी संस्था मर्यादित, डबरा

शुभ दिपावली

हमारी संचालित जमा योजनाएं

- बचत अमानत खाता
- दैनिक अमानत खाता
- सावधि बचत अमानत खाता
- अनिवार्य अमानत खाता
- आवर्ती अमानत खाता
- अल्पावधि अमानत खाता
- मासिक आय योजना

हमारी संचालित ऋण योजनाएं

- प्राथमिक ऋण
- वाहन ऋण
- दो पहिया वाहन ऋण
- उपभोक्ता ऋण
- स्वर्ण आभूषण ऋण
- दैनिक जमा ऋण
- सावधि ऋण

राधेश्याम गुप्ता डायरेक्टर

आज ही संस्था में सदस्य बनकर जमा एवं ऋण योजनाओं का लाभ उठाएं।

रोहिरा कॉम्प्लेक्स, संत कंवर राम चौराहा, ठाकुर बाबा रोड, डबरा

पंकज जैन डायरेक्टर

राज श्री वस्त्रालय, पटेल चाल सिंधी बाजार नीमच की ओर से हमारा देश हमारा अभिमान मासिक पत्रिका के प्रथम संस्करण के प्रकाशित होने पर हमारा देश हमारा अभिमान पत्रिका के संपादक भाई मनोज चतुर्वेदी और पूरी टीम को

दीपावली, गोवर्धन, भाई दोज की बहुत बहुत शुभकामनाएं...

अशोक कुमार टिलवानी
हाईकोर्ट एडवोकेट

ओम प्रकाश टिलवानी

श्रीमती भारती टिलवानी

हरशुल टिलवानी

मा. शिवराजसिंह चौहान
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

मा. नरोत्तम मिश्रा
गृह मंत्री, मध्यप्रदेश

संजय कुमार
कलेक्टर एवं नपा प्रशासक

अनिल दुबे
सीएमओ, नपा दतिया

शुकर्ण मिश्रा

विवेक मिश्रा

दतिया नगरपालिका की ओर से समस्त दतिया के नागरिकों को दीपावली की बहुत बहुत शुभकामनाएं

सहित दतिया के नागरिकों से अपील करती है....

1. कोरोना के बचाव हेतु दो गज की दूरी मास्क है जरूरी।
2. निकाय के करों का समय पर भुगतान करें।
3. नगर को साफ स्वच्छ बनाने हेतु कचरा घरों में ही पृथक-पृथक डिब्बो में रखे, वाहन आने पर वाहन में ही कचरा डालें।
4. सड़क / गलियों में कचरा न फेंके।
5. वृक्षों को लगाना है, शहर को सुंदर बनाना है।

न्यू आनंद मेडिकल स्टोर जवाहर गंज डबरा
की ओर से दीपावली के पावन पर्व की
बहुत बहुत शुभकामनाएं...

प्रो. आनन्द श्रीवास्तव

गहना ज्वेलर्स की ओर से दीपावली, गोवर्धन पूजा, भाई
दोज की शुभकामनाएं सभी नगरवासियो को...

सिटीसेन्टर सराफा
बाजार मैं हमारी
शॉप उपलब्ध है।

शुभकामनाकर्ता : शरद मंगल

समस्त देशवासियों को दीपावली की बहुत बहुत शुभकामनाएं...

सभी जिलावासियों से अपील

1. वनों को किसी भी प्रकार से नुकसान नही पहुंचाये ।
2. वृक्षों को नही काटे, वनों के जीवों को किसी भी प्रकार का नुकसान नही पहुंचाये ।
3. वन जीवों को नुकसान नही पहुंचाये।
4. वृक्षों को काटना कानूनी अपराध है ।
5 वन जीवों की हत्या,वन जीवो के साथ किसी भी प्रकार का वो कार्य करना जिससे इनकी स्वतंत्रता और इनके जीवन को क्षति पहुँच सकती है के कार्य कानूनी अपराध मैं आता है ।
6. वृक्षो को अधिक से अधिक लगाएं यह जीवन को जरुरी है।
7. कोरोना के इस आपदा मैं मास्क लगाए, वैक्सीनेशन करवाये साथ ही सावधानी बनाये रखें। **दो गज दूरी है जरूरी के नियम का पालन अवश्य करे।**

अपीलकर्ता : अभिनव पल्लव
आईएफएस, वनमण्डलाधिकारी (डीएफओ) मंडला जिला

त्रिदेव ट्रांसपोर्ट टूल्स एंड ट्रेवल्स कम्पनी की ओर से दीपावली के पावन पर्व की

बहुत बहुत शुभकामनाएं

शुभकामनाकर्ता
प्रो. रवि परिहार, प्रो. रवि कांत शर्मा, सुनील प्रजापति

सभी देशवासियों को दीपोत्सव की
हार्दिक शुभकामनाएं
सुरेश राजे डबरा विधायक (कांग्रेस)

समस्त देशवासियों को दीपोत्सव की
हार्दिक शुभकामनाएं...
महेश पुरोहित, मुख्य नगर पालिका अधिकारी, लहार

शुभ दिपावली

समस्त देशवासियों
को दीपोत्सव की
हार्दिक शुभकामनाएं

लाखन सिंह पूर्व मंत्री मप्र शासन एवं वर्तमान विधायक भीतरवार

सभी देशवासियों को दीपोत्सव की
हार्दिक शुभकामनाएं...

प्रदीप शर्मा, एसडीएम

आपको और आपके परिवार को दीपोत्सव
की बहुत-बहुत शुभकामनाएं...

Kamal Kishor Gupta
Chief Life Insurance Advisor, MDRT, +91 9826211883
kamalkishor.guptalic@gmail.com

सभी देशवासियों को दीपोत्सव की
हार्दिक शुभकामनाएं...

रामनिवास सिकरवार, तहसीलदार, सिटी सेंटर ग्वालियर

समस्त देशवासियों को
दीपोत्सव की हार्दिक
हार्दिक शुभकामनाएं
शुभ दिपावली
श्रीमती शीतला पटले
(आईएएस) अपर आयुक्त, सागर

समस्त देशवासियों को
दीपोत्सव की हार्दिक
हार्दिक शुभकामनाएं
शुभ दिपावली
श्रीमती निविता गुप्ता
पुलिस अधीक्षक, रेल इंदौर जोन

समस्त देशवासियों को
दीपोत्सव की हार्दिक
हार्दिक शुभकामनाएं
शुभ दिपावली
निक्की पंजावी
पैरोथैरेपी विशेषज्ञ

समस्त देशवासियों को
दीपोत्सव की हार्दिक
हार्दिक शुभकामनाएं
शुभ दिपावली
शिभांगी जादौन
एएओ नगरपालिका डबरा

समस्त देशवासियों को
दीपोत्सव की हार्दिक
हार्दिक शुभकामनाएं
शुभ दिपावली

शैलेन्द्र सिंह गुर्जर
घाटी गांब

समस्त देशवासियों को
दीपोत्सव की हार्दिक
हार्दिक शुभकामनाएं
शुभ दिपावली

अशोक वर्मा
वरिष्ठ कृषि अधिकारी डबरा

दीपावली, गोवर्धन, भाई दूज की
हार्दिक शुभकामनाएं...

कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी, डबरा

दीपावली, गोवर्धन, भाई दूज की
हार्दिक शुभकामनाएं...

श्रीमती रेणु बाला चतुर्वेदी
सरपंच उचाड़

दीपावली, गोवर्धन, भाई दूज की
हार्दिक शुभकामनाएं...

बृजेश श्रीवास्तव, वनमण्डलाधिकारी, ग्वालियर (डीएफओ)

दीपावली, गोवर्धन, भाई दूज की
हार्दिक शुभकामनाएं...

रामसेवक सिंह गुर्जर पूर्व सांसद, ग्वालियर लोकसभा

सूर्यभान रावत (अध्यक्ष युवा शक्ति संगठन) की ओर से समस्त ग्वालियर जिलेवासियों को
दीपावली, गोवर्धन, भाई दूज की
हार्दिक शुभकामनाएं

सूर्यभान रावत, जिला पंचायत सदस्य

समस्त देशवासियों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं...

श्री ओम प्रकाश सखलेचा

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री

सभी देशवासियों को दीपावली की
हार्दिक शुभकामनाएं

माननीय डॉ. गोविन्द सिंह
नेता प्रतिपक्ष (म.प्र. विधानसभा)

श्रीमती मिथिलेश
अध्यक्ष, लहार नगर परिषद

नरेश सिंह चौहान
उपाध्यक्ष, लहार नगर परिषद

महेश पुरोहित
सीएमओ, लहार

अपील →

1. कोरोना के बचाव हेतु दो गज की दूरी मास्क है जरूरी।
2. निकाय के करों का समय पर भुगतान करें।
3. नगर को साफ स्वच्छ बनाने हेतु कचरा घरों में ही पृथक-पृथक डिब्बो में रखे, वाहन आने पर वाहन में ही कचरा डालें।
4. सड़क / गलियों में कचरा न फेंके।
5. वृक्षों को लगाना है, शहर को सुंदर बनाना है।

सभी देशवासियों को दीपावली की
हार्दिक शुभकामनाएं

माननीय डॉ. गोविन्द सिंह
नेता प्रतिपक्ष (म.प्र. विधानसभा)

मेहताब सिंह कौराव
अध्यक्ष, नगर परिषद आलमपुर

श्रीमती शारदा तीतविलासी
उपाध्यक्ष, नगर परिषद आलमपुर

अपील →

1. कोरोना के बचाव हेतु दो गज की दूरी मास्क है जरूरी।
2. निकाय के करों का समय पर भुगतान करें।
3. नगर को साफ स्वच्छ बनाने हेतु कचरा घरों में ही पृथक-पृथक डिब्बो में रखे, वाहन आने पर वाहन में ही कचरा डालें।
4. सड़क / गलियों में कचरा न फेंके।
5. वृक्षों को लगाना है, शहर को सुंदर बनाना है।

सभी देशवासियों को दीपावली की
हार्दिक शुभकामनाएं

माननीय डॉ. गोविन्द सिंह
नेता प्रतिपक्ष (म.प्र. विधानसभा)

श्रीमती विमला दुधरिया
अध्यक्ष, नगर परिषद दबोह

चौ.हाकिम सिंह कौरव
उपाध्यक्ष, नगर परिषद दबोह

सीएमओ दबोह

अपील

1. कोरोना के बचाव हेतु दो गज की दूरी मास्क है जरूरी।
2. निकाय के करों का समय पर भुगतान करें।
3. नगर को साफ स्वच्छ बनाने हेतु कचरा घरों में ही पृथक-पृथक डिब्बो में रखे, वाहन आने पर वाहन में ही कचरा डालें।
4. सड़क / गलियों में कचरा न फेंके।
5. वृक्षों को लगाना है, शहर को सुंदर बनाना है।

सभी देशवासियों को दीपावली की
हार्दिक शुभकामनाएं

माननीय डॉ. गोविन्द सिंह
नेता प्रतिपक्ष (म.प्र. विधानसभा)

ठकुरी प्रसाद कुशवाह
अध्यक्ष मेहोना नगर परिषद

अजय चौधरी
उपाध्यक्ष मेहोना नगर परिषद

अपील

1. कोरोना के बचाव हेतु दो गज की दूरी मास्क है जरूरी।
2. निकाय के करों का समय पर भुगतान करें।
3. नगर को साफ स्वच्छ बनाने हेतु कचरा घरों में ही पृथक-पृथक डिब्बो में रखे, वाहन आने पर वाहन में ही कचरा डालें।
4. सड़क / गलियों में कचरा न फेंके।
5. वृक्षों को लगाना है, शहर को सुंदर बनाना है।

सभी देशवासियों को
दीपावली की...
हार्दिक शुभकामनाएं

सूरज वर्मा, नीमच पुलिस अधीक्षक

सभी देशवासियों को
दीपावली की...
हार्दिक शुभकामनाएं

मयंक अग्रवाल, नीमच कलेक्टर एवं प्रशासक नीमच नपा

रामजानकी राजेश पण्डा
अध्यक्ष नगर परिषद पीछोर

इरफान खान, उपाध्यक्ष
नगर परिषद पीछोर

पीयूष श्रीवास्तव, मुख्य
नपा अधिकारी, पीछोर

सभी देशवासियों को दीपावली की...
हार्दिक शुभकामनाएं

अपील

1. निकाय द्वारा जारी कंप्यूटरीकृत संपत्ति कर जलकर एवं अन्य करों के बिल प्राप्त होने पर ऐसा समय बिल की राशि जमा कराकर अधिभार से बचें।
2. जल ही जीवन है जल का दुरुपयोग ना करें।
3. पवन स्वामी अपने-अपने भवनों में रूफ़ वाटर हार्वेस्टिंग संरचना बनाकर जलस्तर बढ़ाने में सहयोग प्रदान करें।
4. नगर पालिका की भूमि एवं शासकीय भूमि पर अतिक्रमण ना करें।
5. नगर को सुंदर एवं स्वच्छ बनाने में नगरपालिका का सहयोग करें कचरा नियत स्थानों पर ही डालें।
6. जन्म मृत्यु का पंजीयन समय पर कराएं तथा निकाय से कंप्यूटरीकृत जन्म / मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त करें।
7. नगर पालिका से अनुमति प्राप्त कर ही भवन निर्माण करें।
8. शासन की जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ लें।
9. नगर में वृक्षारोपण कर नगर को हरा भरा बनाने में सहयोग प्रदान करें।

सभी देशवासियों को
दीपावली की...
हार्दिक शुभकामनाएं
मा. नरोत्तम मिश्रा, गृह मंत्री, मध्यप्रदेश
एडवोकेट अनिल शुक्ला, शासकीय अधिवक्ता, ग्वालियर हाईकोर्ट

सभी देशवासियों को
दीपावली की...
हार्दिक शुभकामनाएं
शिव दयाल धाकड़ तहसीलदार, बहोड़ा पुर, ग्वालियर

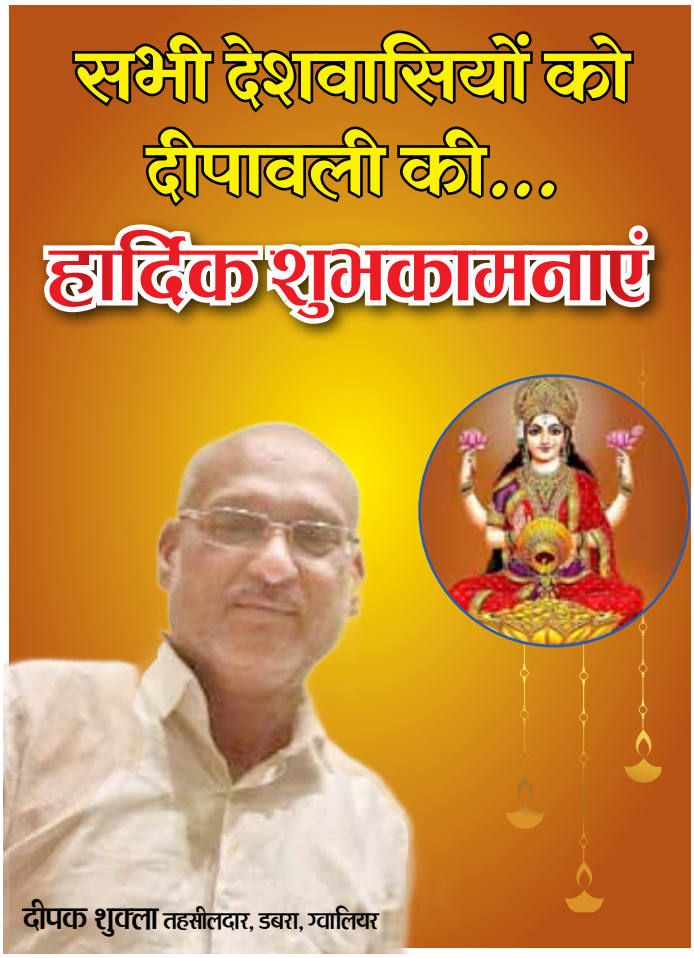
सभी देशवासियों को
दीपावली की...
हार्दिक शुभकामनाएं
दीपक शुक्ला तहसीलदार, डबरा, ग्वालियर

समस्त क्षेत्रावासियों एवं देशवासियों
को दीपावली के पावन पर्व की
हार्दिक शुभकामनाएं

आनंद कुमार
एसआई एवं ठाठीपुर थाना प्रभारी

सभी देशवासियों को
दीपावली की...
हार्दिक शुभकामनाएं

एस.के. पांडे
चौकी प्रभारी आरपीएफ, डबरा

अशोक कुमार पांडे
प्र. आ. आरपीएफ, डबरा

जोधपुर मिष्ठान्न भंडार डबरा की ओर से
समस्त डबरा वासियों को दीपावली की
बहुत बहुत शुभकामनाएं
शुभ दिपावली

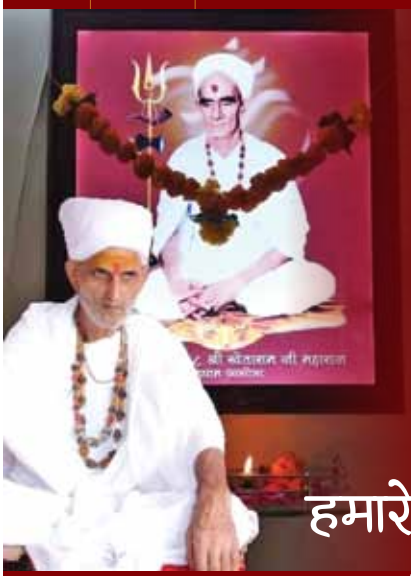

हमारे यहाँ शुद्ध एवं ताजी मिठाईयां
सदैव उपलब्ध रहती है

शुभकामनाएं कर्ता : प्रो. महेंद्र एवं समस्त परिवार

सभी देशवासियों को दीपावली की...

हार्दिक शुभकामनाएं

अपील:-

➪ प्लास्टिक पॉलीथिन का उपयोग बंद करें, पॉलीथिन की जगह पकड़े के थेले को अपनायें। सामान खरीदने के समय कपड़े का थैला साथ लेकर जायें। ➪ पॉलीथिन का उपयोग स्वास्थ्य के लिये हानिकारक है, इससे कैंसर जैसी घातक बीमारियों को होने की पूर्ण संभावना बनी रहती है। ➪ पानी को व्यर्थ न बहाऐं, एवं नलों में टोंटी लगाऐं।

➪ नगर परिषद के बकाया कर का भुगतान समय पर करें।

➪ घरों का कचरा आम रास्ते में न डालें, निकाय की गाड़ी में गीला व सूखा कचरा प्रथक-प्रथक डालें।

श्रीमती भरोसीबाई सुमन
अध्यक्ष नगर परिषद बड़ौदा

श्री दारासिंह बंजारा,
उपाध्यक्ष नगर परिषद बड़ौदा

श्री आरबी राजौरिया,
सीएमओ नगर परिषद बड़ौदा

सौजन्य से:- नगर परिषद बड़ौदा, जिला श्योपुर (म.प्र.)

कार्यालय नगर पालिका परिषद अशोकनगर (म.प्र.)

समस्त देशवासियों को दीपावली की

हार्दिक शुभकामनाएं

अपील

1. अपने घरों का कचरा नियत स्थान पर या नगरपालिका द्वारा चलाये जा रहे वाहनों में ही डालें।
2. जन्म-मृत्यु एवं विवाह का पंजीयन अवश्य करावें।
3. नगरपालिका में करों का भुगतान समय पर कर सहयोग प्रदान करें।
4. अपने घरों पर पानी का अपव्यय न करें तथा नलों में टोंटियां अवश्य लगावें।
5. पर्यावरण के कारण वृक्ष अधिक से अधिक संख्या में लगावें।
6. आजादी के अमृत महोत्सव में भाग लेते हुए घर-घर में तिरंगा अवश्य फहरावें।

श्री नीरज मनोरिया
अध्यक्ष, नगरपालिका परिषद
अशोकनगर म.प्र.

श्रीमति टीना-मनीज जी शर्मा
उपाध्यक्ष
नगरपालिका परिषद अशोकनगर म.प्र.

शिवांक सिंह
मुख्य नगरपालिका अधिकारी
अशोकनगर

पार्षदगण- श्रीमति निक्की मोनू रघुवंशी वार्ड क्रं. 01, श्री प्रमेन्द तायड़े (ऑर्ज) वार्ड क्रं. 02, श्रीमति हेमलता-धर्मेन्द रघुवंशी वार्ड क्रं. 03, डॉ. श्री जयमंडल सिंह यादव वार्ड क्रं. 04, श्री आशुतोष देवलिया वार्ड 05, श्री धर्मेन्द रघुवंशी (सावन) वार्ड क्रं. 06, श्रीमति कृष्णा देवी-संजीव जाटव वार्ड क्रं. 07, श्रीमति गीता देवी आर्य वार्ड क्रं. 08, श्रीमति मनजीत-गोविंद सिंह संधु वार्ड क्रं. 09, श्रीमति शहनाज बानो पप्पू टेलर वार्ड क्रं. 10, श्री राशिद खान (बिन्ना) वार्ड क्रं. 11, श्रीमति रचना मनीष वार्ड क्रं. 12, श्री विपिन शिवहरे वार्ड क्रं. 13, श्रीमति रवि राजकुमार यादव वार्ड क्रं. 16, श्रीमति किरण राजेन्द कुशवाह वार्ड क्रं. 17, श्री रीतेश जैन "आजाद" वार्ड क्रं. 18, श्रीमति शालिनी योगेश सैरा वार्ड क्रं. 20, श्री महेन्द्र भारद्वाज वार्ड क्रं. 21, श्रीमति आयुषी जैन सचु लोधी वार्ड क्रं. 22

समस्त देशवासियों
को दीपावली की
हार्दिक बधाई
श्रीमती शारदा राजेन्द्र
(राजा) डण्डातिया
सभापति
नगर पालिक निगम मुरैना
संजीव कुमार जैन
आयुक्त
नगर पालिक निगम मुरैना
समस्त पार्षदगण, नगर पालिक निगम मुरैना (म.प्र.)

सभी देशवासियों को दीपोत्सव की
हार्दिक शुभकामनाएं...
डॉ. गोविन्द सिंह, नेता प्रतिपक्ष (मध्यप्रदेश विधानसभा)

सभी देशवासियों को दीपोत्सव की

हार्दिक शुभकामनाएं...

अपील

1. करों का भुगतान करें।
2. नगर स्वच्छ एवं सुन्दर बनाने में सहयोग दें।
3. पर्यावरण सुरक्षा हेतु वृक्षारोपण करें।
4. अपने घर का गीला एवं सूखा कचरा अलग-अलग डस्टबिन में इकट्ठा करें और प्रतिदिन नगर पालिका के कचरा वाहन में डालें।
5. विवाह, जन्म मृत्यु का पंजीयन समय कर करवाएं।

अरूणा जैन
अध्यक्ष

संध्या रघुवंशी
उपाध्यक्ष

हरिप्रसाद जाटव
सीएमओ

नगर परिषद, आरोन, जिला गुना

श्रीमती शारदा रामस्वरूप रावत
प्रशासक
नगर परिषद करैरा

तारा चन्द्र धूलिया
सी.एम.ओ.
नगर परिषद करैरा

समस्त देशवासियों को दीपावली की

हार्दिक बधाई

राजीव सिकरवार
उपाध्यक्ष
नगर परिषद करैरा

अपील-

- नगर आपका है इसे स्वच्छ बनाए रखने में सहयोग करें।
- समय पर कर अदा कर असुविधा से बचें ।
- स्वच्छ करैरा- हरित करैरा बनाने में सहयोग करें।
- नलों में टोटियां आवश्य लगाएं ।

इंजी. अभय सिंह
नगर परिषद करैरा

निवेदक - नगर परिषद करैरा, जिला शिवपुरी (म.प्र.)

समस्त क्षेत्रावासियों एवं देशवासियों को दीपावली के पावन पर्व की
हार्दिक शुभकामनाएं
शुभ दिवाली
जयराज कुबेर
एडिशनल एसपी, ग्वालियर ग्रामीण

समस्त देशवासियों को दीपोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं...
भारती टिलवानी, समाजसेवी

सभी देशवासियों को दीपोत्सव की
हार्दिक शुभकामनाएं...
शारदा देवी साहू
अध्यक्ष
विक्रम मीना
उपाध्यक्ष
अपील :-
1. करों का भुगतान करें।
2. नगर स्वच्छ एवं सुन्दर बनाने में सहयोग दें।
3. पर्यावरण सुरक्षा हेतु वृक्षारोपण करें।
4. अपने घर का गीला एवं सूखा कचरा अलग-अलग डस्टबिन में इकट्ठा करें, और प्रतिदिननगर पालिका के कचरा वाहन में डालें।
5. विवाह, जन्म मृत्यु का पंजीयन समय पर करवायें।
पूरन सिंह कुशवाह
सीएमओ
नगर परिषद, कुम्भराज
नगर परिषद, कुम्भराज जिला गुना

सभी देशवासियों को दीपोत्सव की

हार्दिक शुभकामनाएं...

नगर परिषद अकोड़ा जिला-भिण्ड

डॉ. सतीश कुमार एस
कलेक्टर-भिण्ड

अपील

1. दैनिक प्रयोग से पॉलीथीन को दूर हटायें, पॉलीथीन की जगह कपड़े के थेले को अपनायें।
2. सामान-खरीदने के समय कपड़े का थेला साथ लेकर जायें।
3. जीतेगा भाई आईये दे जिम्मेदारी और साझेदारी संदेश अपने शहर की स्वच्छता पर आपका फीडबेक हमे और बेहतर प्रयास करने के लिये प्रेरित करेगा।
4. पॉलीथीन का प्रयोग स्वास्थ्य के लिये हानिकारक है, इससे कैंसर जैसी अन्य घातक बीमारियों के होने की पूर्ण सम्भावना बनी रहती है।
5. पानी को व्यर्थ न बहाऐं एवं नलों में टोटी लगाऐं।
6. करों की बकाया राशि समय पर जमा करावें।
7. घरों का कचड़ा आम रास्ते में न डाले निकाय की कचड़ा गाड़ी में गीला सूखा कचड़ा प्रथक-प्रथक डालें, स्वच्छ रहें-स्वस्थ्य रहें।
8. स्वच्छ सर्वेक्षण 2022 हेतु वोट फोर योर सिटी ऐप के माध्यम से या 1969 पर कॉल करके निकाय के स्वच्छता का फीडबैक देकर निकाय को नं.1 बनायें।
9. दो गज दूरी मास्क है जरूरी।
10. दोनो डोज वैक्सीन के जरूरी तभी बनेगी कोरोना से दूरी।

निवेदक :
मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद अकोड़ा
जिला-भिण्ड

• दो गज दूरी, मास्क है जरूरी • टीकाकरण अवश्य करायें

सभी देशवासियों को दीपोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं

नगर परिषद बानमोर जिला मुरैना म.प्र.

हमारा संकल्प कचरा एवं पॉलिथीन मुक्त बानमोर

कचरा मुक्त बानमौर । शौच मुक्त बानमौर
पॉलीथिन मुक्त बानमौर

बानमोर को स्वच्छ नं. 1 बनाना है।

सभी नगर वासियों से अपील

- निकाय के करों का भुगतान निर्धारित समय पर अवश्य करें।
- जल का अपव्यय न करें।
- घर से ही कचरे को पृथ्क–पृथ्क कर निकाय के कचरा वाहन में ही डालें।
- शहर के व्यवसायी प्रतिष्ठान – चाय, नास्ता, चाट, फल, हाथ ठेला, दौना गिलास आदि कचरा डस्टबिन में ही डालें।
- खुले में शौच न जायें।
- पौधरोपण अवश्य करें। पर्यावरण को स्वच्छ बनायें।

नगर में निरन्तर पॉलिथीन रोकने के लिए व्यापारिक प्रतिष्ठानों, हाथ ठेले वालों को नपा. कर्मचारियों के द्वारा समझाइश दी जा रही है व पॉलिथीन जब्ती कर उपयोग करने वालों पर जुर्माना भी किया जा रहा है।

श्रीमती गीता लक्ष्मण जाटव
अध्यक्ष, नपा बानमोर

राजवीर यादव
उपाध्यक्ष, नपा बानमोर

सियाशरण यादव
सीएमओ, नपा बानमोर

एवं समस्त पार्षद, कर्मचारीगण नगर परिषद बानमोर, जिला मुरैना (म.प्र.)

समस्त क्षेत्रावासियों एवं देशवासियों
को दीपावली के पावन पर्व की
हार्दिक शुभकामनाएं

अपील

1. नगर को स्वच्छ रखने में नगर पालिका का सहयोग करें ।
2. अधिक से अधिक वृक्ष लगायें
3. नागरिको को मूलभूत सुविधा तत्परता से उपलब्ध कराने के लिये संकल्पित नवगठित नगर पालिका गोहद को अपना पूर्ण सहयोग दे।
4. नगर पालिका परिषद में अपनी सम्पत्ति का इन्द्राज कर कर करों का भुगतान कर नगर विकास में सहभागी बनें।
5. घरों में सूखा कचड़ा एवं गीला कचरा अलग-अलग डिब्बों में रखें तथा कचरा संग्रहण वाहनो में ही डाले खुले में न डाले ।
6. सिंगल यूज प्लास्टिक एवं प्लास्टिक उत्पादों झण्डे, कैंडी स्टीक, आईसक्रीम की डंडी, पोलीस्टाइरीन, थर्माकोल की सजावटी सामग्री प्लेट कप गिलास, कांटे चम्मच ट्रे,कटलरी आदि का क्रय विक्रय न करें।

सतीश कुमार दुबे
मुख्य नगर पालिका अधिकारी

श्रीमती मंजू जगदीश माहोर
अध्यक्ष

सुनील कांकर (सिक्की)
उपाध्यक्ष

निवेदक - नगर पालिका परिषद, गोहद जिला भिण्ड (म.प्र.)

दीप जलाते समय कौन सा मंत्र बोलना चाहिए?

24 अक्टूबर 2022 को दिवाली का पर्व मनाया जाएगा। धनतेरस, नरक चतुर्दशी, दिवाली, गोवर्धन पूजा, भाई दूज और देव दीपावली पर दीये जलाने की परंपरा है। दीपक जलाते समय मंत्र का उच्चारण करने का महत्व है। दीप से दीप नहीं जलाते हैं और जानिए कि दीये जलाने का क्या है समय समय और कौनसी है दिशा।

'शुभं करोति कल्याणम् आरोग्यम् धनसंपदा।
शत्रुबुद्धिविनाशाय दीपकाय नमोऽस्तु ते।।
दीपो ज्योति परं ब्रह्म दीपो ज्योतिर्जनार्दनः।
दीपो हरतु मे पापं संध्यादीप नमोऽस्तु ते।।

दीपक से दीपक क्यों नहीं जलाना चाहिए :
दीये से दीया जलाना अशुभ माना जाता है। मान्यता के अनुसार ऐसा करने से घर में दरिद्रता आती है।

दीपक के नीचे चावल क्यों रखते हैं :
पूजा के स्थान पर रखे जा रहे दीपक को सीधे भूमि पर नहीं रखते हैं। इसके नीचे काले तिल, चावल या उड़द रखें। चावल रखने से माता लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं।
यदि दीपक जलाते समय उसके नीचे चावल रखें तो महालक्ष्मी की कृपा प्राप्त होगी। इसी प्रकार यदि उसके नीचे काले तिल या उड़द रखें तो स्वयं मां, काली, भैरव, शनि, दस दिक्पाल, क्षेत्रपाल हमारी रक्षा करेंगे। इसलिए दीपक के नीचे किसी न किसी अनाज को रखना चाहिए।

दीपक जलाने का सही समय और सही दिशा

दीपक किसी भी दिशा में रखें लेकिन ज्योति उसकी उत्तर या पूर्व दिशा में ही होना चाहिए। इसके अलावा कहते हैं कि पश्चिम दिशा में दीये रखने से धन की हानि होती है। हालांकि दक्षिण में यम और पितरों के निमित्त दीया रखते हैं। दीपक जलाना का सबसे उत्तम समय शाम 5 से 7 बजे के बीच का सही माना जाता है।

समस्त क्षेत्रावासियों एवं देशवासियों को दीपावली के पावन पर्व की

हार्दिक शुभकामनाएं

संजय कुमार
कलेक्टर

नगर परिषद भाण्डेर
जिला-दतिया

अपील

कोरोना गाइडलाइन का पालन करें ।
मास्क लगायें एवं टीकाकरण में सहयोग करें
जल का अपव्यय न होने दें, नलों में टोंटी लगाकर रखें
करों का भुगतान समय पर करें
नगर को स्वच्छ एवं सुन्दर रखें।
अपने परिवार में जन्म-मृत्यु के पंजीयन करावें

निवेदक

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद भाण्डेर
जिला-दतिया

• दो गज दूरी, मास्क है जरूरी • टीकाकरण अवश्य करायें

समस्त क्षेत्रावासियों एवं देशवासियों
को दीपावली के पावन पर्व की
हार्दिक शुभकामनाएं

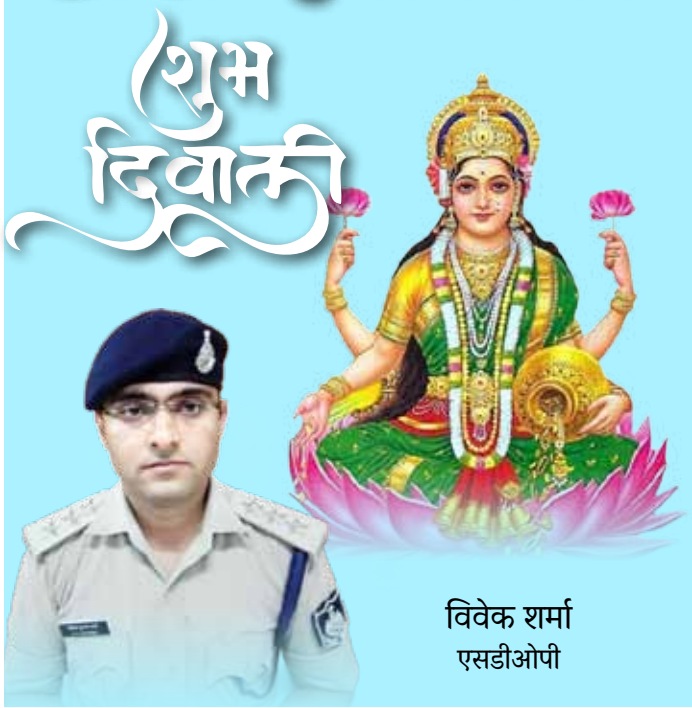

विवेक शर्मा
एसडीओपी

दीपावली के पावन पर्व पर
सभी देशवासियों को
बहुत बहुत शुभकामनाएं

भाई आमीर खान
इंस्पेक्टर एवं डबरा आबकारी प्रभारी

सभी देशवासियों को दीपोत्सव की
हार्दिक शुभकामनाएं...

श्रीमती प्रयाग बाई परिहार
अध्यक्ष

भूपेन्द्र यादव भोले
उपाध्यक्ष

•पानी का अपव्यय रोकें, नलों में टोंटियां लगायें। •नगर आपका अपना है इसे स्वच्छ बनाने में सहयोग प्रदान करें। •कूड़ा इधर-उधर अथवा नालियों में न डालें, अपने घरों में डस्टबिन का प्रयोग करें। •सूखा एवं गीला कूड़ा अलग-अलग संकलित कर कूड़ा-गाड़ी में ही डालें।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर परिषद बदरवास

सौजन्य से- नगर परिषद बदरवास, जिला शिवपुरी

समस्त नगरवासियों और देश वासियों को
दीपोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं

अपील

नगर को साफ रखने में नियमित स्थान से कचड़ा डाले
जलकर संपत्ति कर अन्य बकाया करो की राशि कार्यालय में जमा कर नगर
के विकास कार्य मे अपना महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान करें।

बाबूलाल कुशवाह
मुख्य नगरपालिका अधिकारी

विमला नरेंद्र दुधारिया
अध्यक्ष

हाकिम चौधरी
उपाध्यक्ष

निवेदन-समस्त पार्षदगण,नगर परिषद दबोह जिला भिंड

नगर परिषद मालनपुर की ओर से समस्त क्षेतरवासियों को
दीपोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं

अपील :

- समस्त करो का भुगतान समय पर करें।
- नगर को स्वच्छ बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है।
- जन्म-मृत्यु का पंजीयन अवश्य करायें।
- जल ही जीवन है इसे व्यर्थ न बहाऐं।

श्रीमती रामश्री मुकेश जाटव
अध्यक्ष

जीतू गुर्जर
उपाध्यक्ष

मनोज शर्मा
सी.एम.ओ.

पार्षदगण: श्री सबीर खान, श्री अनिल शर्मा, श्रीमती राजाबेटी गौड़, श्रीमती मंजू चौरसिया, श्री हेमसिंह, श्री अनिल सिंह
श्रीमती माया देवी, श्री होतम सिंह, श्री उदय सिंह, श्री मान सिंह, श्रीमती मीना, श्रीमती गुड्डी, श्रीमती बीना जैन।

निवेदक : नगर पालिका परिषद मालनपुर, जिला भिण्ड (मध्यप्रदेश)

समस्त नगरवासियों और
देश वासियों को...
दीपोत्सव की हार्दिक
हार्दिक शुभकामनाएं
शुभ दिवाली
राज कुमारी परमार
थाना प्रभारी देहात डबरा

थाना पिछोर की ओर से समस्त
पिछोर वासियों को ...
दीपोत्सव की हार्दिक
हार्दिक शुभकामनाएं
शुभ दीपावली
के डी कुशवाह
थाना प्रभारी पीछोर

नगर पालिका परिषद पोरसा, जिला मुरैना (मप्र)
नगर एवं क्षेत्रवासियों को दीपोत्सव
की हार्दिक शुभकामनाएं...
1.नगर को साफ एवं स्वच्छ बनाये रखने में मदद करें।
2.जल अमूल्य है इसे बर्बाद न होने दें।
3.नलों में टोंटी लगाकर ही प्रयोग करें।
4.जल कर व अन्य करों का समय पर भुगतान करें।
5.कचरा कूड़ेदान व कचड़ा वाली वाहनों में ही डालें।
6. मैन रोड पर वाहन न खड़ा करें।
-पार्षद गण-
वार्ड क्र. 02 संजय बाल्मीक, वार्ड क्र. 03 अनवर खाँ, वार्ड क्र. 04 श्रीमती रमन गुप्ता
वार्ड क्र. 05 मोहन सिंह तोमर, वार्ड क्र. 06 श्रीमती ऊषा राजेश श्रीवास,
वार्ड क्र. 07 रामकुमार राठौर वार्ड क्र. 08 श्रीमती आरती मनोज,
वार्ड क्र. 09 कु. करिश्मा रामवीर, वार्ड क्र. 10 श्रीमती रामदेवी विजय सिंह
वार्ड क्र. 1 श्रीमती ऊषा कम्मोद सिंह, वार्ड क्र. 13 हरीशरण तिवारी,
वार्ड क्र. 14 रामनरेश शर्मा, वार्ड क्र. 15 सरोज देवी विष्णु सिंह
-कार्यालयीन स्टाफ-
कुम्देर सिंह प्रभारी आर आई., बृजकिशोर तिवारी ए. आर.आई.
संजय वर्मा उपयंत्री नरेश जैन, दविन्द्र राजौरिया, अमन कटारे प्रभारी लेखपाल,
रामदीन जलकर विभाग, मानवेन्द्र सिंह तोमर कम्प्यूटर ऑपरेटर,
इन्दवीर जाटव कम्प्यूटर ऑपरेटर, जीतन कुरेशी कम्प्यूटर ऑपरेटर,
संतोष तोमर प्रभारी एस.आई.
श्रीमती कुसमलता रामवीर सिंह तोमर
अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद पोरसा
श्रीमती कृष्णा सुरेन्द्र सिंह तोमर
उपाध्यक्ष
नगर पालिका परिषद पोरसा
सुरेन्द्र कुमार शर्मा
मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद पोरसा

सभी देशवासियों को दीपावली की

बहुत बहुत शुभकामनाएं

डॉ. सुनील शर्मा (एमएस)
फेको एवं रेटीना सर्जन
फेलो एस.एस.जी. हॉस्पिटल,
राजकोट, रजि. नं. MP-4058

डॉ. अदिति शर्मा (एमएस)
ग्लूकोमा सर्जन
फैलो अरविंद आई हॉस्पिटल, मदैरे
रजि. नं. MP-4874

118, कैलाश विहार, इनकम टैक्स ऑफिस के सामने, सत्कार गेस्ट हाउस के पीछे,
सिटी सेंटर, ग्वालियर (मप्र) फोन नं. 0751-4922350
Email : dr.sunilsharma41077@gmail.com

सभी देशवासियों को दीपावली की

हार्दिक शुभकामनाएं

अपील-
समस्त करों का भुगतान समय पर करें।
नलों में टोंटियां लगवाकर पानी का अपव्यय रोकें।
घरों का कचरा निर्धारित स्थल पर ही डालें
जन्म/मृत्यु एवं विवाह पंजीयन समय पर करायें।
भवन निर्माण, अनुमति प्राप्त करने पर ही करें।
शहर को साफ एवं स्वच्छ बनाये रखने में सहयोग करें।

राजीव समाधिया
एसडीएम/प्रशासक
नगर पालिका परिषद अम्बाह

शाबीर कौसर
सीएमओ
नगर पालिका परिषद अम्बाह

जिनेश जैन
अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद अम्बाह

निवेदक-समस्त पार्षद, अधिकारी कर्मचारीगण नगर पालिका परिषद अम्बाह जिला मुरैना (म.प्र.)

प्रतिष्ठान : धन लक्ष्मी वेयर हाउस चीनोर रोड डबरा, वैभव लक्ष्मी बेयर हाउस चीनोर रॉड डबरा

शिवराज सिंह
मुख्यमंत्री

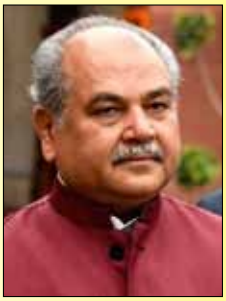
नरेंद्र सिंह तोमर
केंद्रीय मंत्री

ज्योतिरादित्य सिंधिया
केंद्रीय मंत्री

नरोत्तम मिश्रा
गृह मंत्री (मप्र)

विवेक शेजवलकर
सांसद, ग्वालियर

इमरती देवी
पूर्व मंत्री (मप्र)

महाकाल एग्रो फूड्स प्रा. लि.,

उच्च क्वालिटी के चावल निर्माता की ओर से

सभी देशवासियों को दीपावली की बहुत-बहुत शुभकामनाएं

जितेन्द्र गुप्ता
मैनेजिंग डायरेक्टर महाकाल ऐग्रो फूड्स प्रा. लि.
प्रदेश कार्य समिति सदस्य भाजपा युवा मोर्चा (मप्र)

मुन्नालाल गुप्ता
महाकाल ग्रुप
अध्यक्ष गल्ला उद्योग एवं व्यापार संघ डबरा

हमारा संकल्प कचरा एवं पॉलिथीन मुक्त बानमोर
समस्त नगरवासियों और
देश वासियों को...
दीपोत्सव की हार्दिक
हार्दिक शुभकामनाएं
कचरा मुक्त बानमौर । शौच मुक्त बानमौर
पॉलीथिन मुक्त बानमौर
स्वच्छ वातावरण,
स्वस्थ जीवन
बानमोर को स्वच्छ नं. 1 बनाना है।
बक्की कार्तिकेयन
कलेक्टर, मुरैना
सभी नगर वासियों से अपील
❖ निकाय के करों का भुगतान निर्धारित समय पर अवश्य करें। ❖ जल का अपव्यय न करें।
❖ घर से ही कचरे को पृथ्क-पृथ्क कर निकाय के कचरा वाहन में ही डालें।
❖ शहर के व्यवसायी प्रतिष्ठान - चाय, नास्ता, चाट, फल, हाथ ठेला, दौना गिलास आदि कचरा डस्टबिन में ही डालें।
❖ खुले में शौच न जायें।
❖ कोरोना महामारी से बचने के लिए मास्क पहनें एवं वैक्सीन अवश्य लगवायें।
❖ अंकुरित अभियान में भागीदारी कर एक पौधा अवश्य लगायें। पर्यावरण को स्वच्छ बनायें।
स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर
एस.एस. यादव
सीएमओ, बानमोर
नगर परिषद बानमोर जिला मुरैना (म.प्र.)
एवं समस्त कर्मचारीगण नगर परिषद बानमोर जिला मुरैना (म.प्र.)

Vishal Dubey
Karuna Enterprises

Varun Dubey
Vanya Enterprises

wish you
HAPPY
Diwali

Anil Dubey
Karuna Stationary Mart

Near Rama Market, Ram Mandir Chauraha, Lashkar, Gwalior 474001 (M.P.)
Old High Court, Opp. Giriraj mandir, Gwalior

प्रसाद हॉस्पिटल की ओर से सभी नगरवासियों को दीपावली की

हार्दिक शुभकामनाएं...

शुभकामनाकर्ता : डॉक्टर दिनेश प्रसाद एवं समस्त हॉस्पिटल परिवार

आप सभी को पंच दिवसीय दीपोत्सव पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं...

इस दीपोत्सव में 5 दिन पांच विभिन्न त्योहार मनाए जाते हैं... पहले दिन धनतेरस ,छोटी दिवाली बड़े दिवाली, गोवर्धन पूजा और भाई दूज मनाए जाते हैं... गोवर्धन पूजा का अपना एक विशेष महत्व है गोवर्धन पूजा का प्रचलन और इसका महत्व द्वापर युग से चला आ रहा है वास्तव में गोवर्धन पर्वत मथुरा जिले मुख्यालय से 30 किलोमीटर दूर स्थित क्षेत्र है जहां श्री कृष्ण ने इंद्रदेव की घनघोर वर्षा से ब्रज वासियों की रक्षा करने के लिए इस गोवर्धन पर्वत को अपनी कनिष्ठ उंगली पर उठाकर उठाया था।

इस पावन ब्रजभूमि को गिर्राज जी के नाम से भी जाना जाता है ।यह भारत में वैदिक परंपरा का महत्वपूर्ण स्थान है जहां अनगिनत भक्तों की श्रद्धा जुड़ी हुई है ।हर माह की पूर्णिमा को गोवर्धन पर्वत की परिक्रमा करके लोग अपनी मनोकामना को पूर्ण करने का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। पूरा गोवर्धन क्षेत्र श्री कृष्ण की लीलाओं से जुड़ा हुआ है ।इस पावन ब्रजभूमि पर हमारे श्री कृष्ण के जन्म से लेकर उनके निर्वाण की हर एक स्थिति, उनके कार्य,उनकी लीलाओं का वर्णन है। भक्ति भाव से जुड़ा हुआ क्षेत्र धार्मिक, प्राकृतिक और आध्यात्मिक सभी रूपों में सर्वश्रेष्ठ है। अपनी आने वाली पीढ़ियों को अपने अतीत की पौराणिक कथाओं से परिचित कराने का श्रेष्ठ माध्यम है।

इसके पीछे कथा प्रचलित है कि द्वापर युग में इंद्र के अभिमान को संतुष्ट करने के लिए ब्रज के सभी लोग इंद्र की पूजा किया करते थे, तभी श्री कृष्ण ने इंद्र के अभिमान को चूर करने के लिए इंद्र के स्थान पर गोवर्धन पर्वत की पूजा का आव्हान किया था। सभी ब्रज वासियों ने मिलकर गोवर्धन की पूजा प्रारंभ की ,इससे रुष्ट होकर इंद्र

ने ब्रजभूमि पर भारी वर्षा कर दी थी इस वर्षा के प्रभाव से सभी क्षेत्र जलमग्न होता जा रहा था तभी श्री कृष्ण ने गोवर्धन पर्वत को अपनी उंगली पर उठाकर समस्त ब्रज वासियों, गायों ,बच्चों सभी को उसके अंदर सुरक्षा प्रदान की थी उन्होंने इस पर्वत में नर और नारायण का वास बताया था, लंबे दिनों तक लगातार बारिश होने के बाद भी गांव वाले सुरक्षित रहे थे। अंततः इंद्र का अभिमान चूर हुआ और तभी से गोवर्धन पर्वत की पूजा की जाने लगी।

वर्तमान में दीपावली के अगले दिन गोवर्धन की पूजा की जाती है, जिसमें विभिन्न पकवान ,छप्पन भोग और अन्नकूट बनाकर भोग लगाया जाता है। इस दिन गायों की पूजा का विशेष महत्व होता है ।घरों में गोबर से गोवर्धन पर्वत बनाकर उनकी पूजा की जाती है, इस दिन गाय के गोबर से श्री कृष्णा ,समस्त बृजवासी, गाय, बछड़े, पेड़ -पौधे सभी की आकृति बनाकर उनका विधि विधान से पूजन किया जाता है।

आज के दिन श्री कृष्ण प्रभु जी के भक्त गोवर्धन धाम में जाकर गोवर्धन परिक्रमा करते हैं। मानसी गंगा, मुखारविंद, पूछरी का लोटा ,राधा कुंड, कृष्ण कुंड ,कुसुम सरोवर आदि सभी की यात्रा के साथ गोवर्धन परिक्रमा पूर्ण होती है ।इसी के साथ ब्रजभूमि में ब्रजरज का आनंद लेते हुए अपने अच्छे स्वास्थ्य, समृद्धि का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं।

इसी के समीप श्री कृष्ण प्रभु जी की लीलाओं से संबंधित मथुरा जन्मभूमि, गोकुल ,बरसाने ,नंदगांव ,वृंदावन यमुना जी आदि के दर्शन भी किए जाते हैं।

वर्तमान में गोवर्धन हमारे लिए आस्था और विश्वास के प्रतीक के साथ हमारी आर्थिक, सामाजिक ,सांस्कृतिक समृद्धता का प्रतीक है ।अपनी आने वाली पीढ़ी को भारत के गौरवमई इतिहास से परिचित कराने का समृद्ध माध्यम है। भारतीय संस्कृति की इस अनुपम धरोहर को ब्रजभूमि के नाम से जाना जाता है ।इसमें कई क्षेत्रीय विविधताओं का संगम है जो हमारे जीवन को सही दिशा में ले जाने और अपने लक्ष्यों की प्राप्ति में सहायक है।

आइए हम सब मिलकर भारतवर्ष के इस गौरवमई इतिहास से अपने आगे आने वाली पीढ़ी को परिचित करवाएं। और इस गोवर्धन पूजा एवं अन्नकूट पर्व को पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाएं।

शुभकामनाओं सहित
रितु मुदगल
नायब तहसीलदार

समस्त नगरवासियों और
देश वासियों को...
दीपोत्सव की हार्दिक
हार्दिक शुभकामनाएं
शुभ दिवाली

श्रीमती जयति सिंह
एडीएम

थाना पिछोर की ओर से समस्त
पिछोर वासियों को ...
दीपोत्सव की हार्दिक
हार्दिक शुभकामनाएं
शुभ दिपावली

किशोर कांन्याल
नगर निगम आयुक्त ,ग्वालियर

वर्धमान एजेंसी डबरा की ओर से
देशवासियों को दीपोत्सव की
हार्दिक शुभकामनाएं...

अमित जैन

सोनल जैन

तीन बार रूप बदलती है मां की प्रतिमा!

महालक्ष्मी का 1100 साल पुराना मंदिर, दिवाली पर 24 घंटे होती है पूजा...

अमावस्या की रात दीपावली पर मां लक्ष्मी की विशेष आराधना होती है। प्राचीन मान्यताओं के अनुसार इस दिन जो भी मां लक्ष्मी की आराधना करता है, उस पर मां लक्ष्मी की विशेष कृपा रहती है। आज हम आपको ऐसे ही मंदिर के बारे में बताते हैं, जहां महालक्ष्मी साक्षात विराजमान हैं। जहां माता की मूर्ति रूप बदलती हैं। लोगों को अनुसार यहां आज भी तंत्र साधना की जाती है। जबलपुर में स्थित महालक्ष्मी के इस मंदिर की पौराणिक आध्यात्मिक और ऐतिहासिक महत्वता है। यह भव्य मंदिर कलचुरी कालीन राजाओं द्वारा बनवाया गया था। करीब 1100 साल पुराने महालक्ष्मी के मंदिर का विशेष महत्व है क्योंकि इसका निर्माण अपने आप में अनोखा है।

5 गुंबद की रचना के आधार पर इस मंदिर को पचमठा माता मंदिर कहा जाता है। यह वर्गाकार मंदिर अधिष्ठान पर निर्मित है यानी कि 8 स्तंभों पर यह पूरा मंदिर टिका हुआ है। कहा यह जाता है कि यह मंदिर अष्ट पलकों पर यानी कमल की आकृति पर बना हुआ है। मंदिर के गर्भग्रह के चारो ओर परिरक्रमा पथ बना हुआ है। यह एकमात्र ऐसा मंदिर है जिसकी चारों दिशाओं में मुख्य द्वार बने हुए हैं मंदिर के अंदर श्री यंत्र की आकृति स्पष्ट नजर आती है। इस मंदिर का निर्माण श्री यंत्र के आधार पर किया गया है 12 राशियों को प्रदर्शित करते हुए स्तंभ बनाए गए हैं साथ ही नौ ग्रह भी विराजमान हैं।

मंदिर में महालक्ष्मी विराजमान

पूजारी के अनुसार बहुत सारे लोग तंत्र साधनाएं करते हैं। शासन प्रशासन की सख्ती की वजह से अब मंदिर के अंदर तो लोग तंत्र साधना नहीं कर पाते। लेकिन आसपास स्थित जंगल में लोग तंत्र साधना करते नज़र आ जाते हैं। उन्होंने बतायाह मंदिर अलौकिक शक्तियों से घिरा हुआ है। यहां सकारात्मक ऊर्जा बस्ती है मंदिर के गर्भ गृह में जाते ही एक अद्भुत ऊर्जा का अनुभव होता है। महालक्ष्मी का मंदिर इसलिए भी विशेष है क्योंकि यहां स्थित मां भगवती की प्रतिमा बाकी प्रतिमाओं से बेहद अलग है। यहीं नहीं मान्यता ये भी है कि महालक्ष्मी स्वयं विराजमान है। महालक्ष्मी की प्रतिमा अलग-अलग स्वरूप में यहां नजर आती है। महालक्ष्मी की प्रतिमा पर सूर्य उदय के साथ ही सूर्य की पहली किरण सीधे प्रतिमा के चरणों पर आकर गिरती है और उसके साथ में प्रतिमा का रंग बदलता रहता है कभी प्रतिमा का रंग पीला तो कभी सफेद तो कभी नीला नजर आता है।

दीपावली के दिन 24 घंटे होती है पूजा

महालक्ष्मी के मंदिर में वैसे तो सालभर भक्तों का तांता लगा रहता है, लेकिन शुक्रवार को दिन भक्तों के लिए विशेष दिन माना जाता है। इस दिन मां के पूजन का भी दिन होता है। इसलिए हरमद शुक्रवार को यहां हजारों की संख्या में भक्तों की भीड़ लगती है। वहीं दीप उत्सव के दौरान 5 दिनों तक मां भगवती का विशेष पूजन अर्चन किया जाता है । मंदिर के पुजारी के अनुसार दीपावली के दिन मां भगवती की 24 घंटे पूजा होती है ,पूरी रात मंदिर खुला होता है और हर पहर पर महालक्ष्मी की पूजन अर्चन किया जाता है। सुबह 4:00 बजे महालक्ष्मी का पंचगव्य से अभिषेक किया जाता है और फिर श्रृंगार भगवान कुबेर का भी इस मंदिर में पूजन किया जाता है।

खाली हाथ लौटी थी की सेना

महालक्ष्मी के इस मंदिर का ऐतिहासिक महत्व भी है। जब हिंदुस्तान में मुगलों का राज था तब औरंगजेब की सेना ने इस मंदिर पर लूट के इरादे से हमला किया था। औरंगजेब की सेना ने इस मंदिर में जमकर तोड़फोड़ की और कई खूबसूरत प्रतिमाओं को खंडित कर दिया गया लेकिन फिर भी औरंगजेब की सेना को यहां से खाली हाथ ही लौटना पड़ा। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार इस मंदिर के नीचे खजाना छुपा हुआ है जिसकी रक्षा कई विषैले सर्प कर रहे हैं। मंदिर रे पुजारी ने बताया, " इस मंदिर में कई सालों पहले जहरीले सर्प साफ नजर आते थे आज भी मंदिर के आसपास सैकड़ों की तादात में सांप देखते हैं। मान्यता यह है कि जहां पर धन होता है वही उसकी रक्षा के लिए जहरीले सर्प तैनात होते हैं एक बार जब मंदिर क्षतिग्रस्त हुआ तो निर्माण कार्य के दौरान विभिन्न प्रजाति के सर्प यहां देखे गए थे।

समस्त देशवासियों को दीपोत्सव की
हार्दिक शुभकामनाएं...

डॉक्टर शालिनी कौशिक
बरिष्ठ संरक्षक हमारा देश हमारा अभिमान पत्रिका

समस्त देशवासियों को दीपोत्सव की
हार्दिक शुभकामनाएं...

शुभांगी यार्दे
सह सचिव पंडित श्री लक्ष्मीनारायण शिक्षा प्रसार एवं
सामाजिक कल्याण समिति एवं सह मार्केटिंग हेड

पांडवों द्वारा बनाया गया था महाराष्ट्र का खास मंदिर

केशवराज मंदिर प्राकृतिक सौंदर्य की अद्भुत छटा पेश करता है। मंदिर के चारों ओर घने जंगल में, आप वर्ष भर पानी की धारा बहते हुए देख सकते हैं। यहां पर धारा के उपर पुल भी बना है। जब आप इस पुल को पार करते हैं, तो आप लेटराइटिक पत्थर से निर्मित कुछ सीढ़ियां देखते हैं। केशवराज मंदिर सिर्फ आध्यात्मिकक दृष्टिकोण से ही महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि मंदिर के आसपास की प्राकृतिक सुंदरता भी बस देखते ही बनती है। यह मंदिर महाराष्ट्र में स्थित है और दापोली से लगभग 7 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। ऐसी मान्यता है कि यह मंदिर पांडवों द्वारा निर्मित है।

भगवान विष्णु को है समर्पित

यह मंदिर भले ही दापोली के पास एक छोटे से गांव में स्थित है, लेकिन फिर भी इसे एक गूढ़ रहस्य के रूप में जाना जाता है। यह छोटा सा मंदिर भगवान विष्णु को समर्पित है। लेकिन यहां पर गणपति जी की भी मूर्ति स्थित है। मंदिर का मुख दक्षिण दिशा की ओर है और मंदिर के अंदर का सुखद वातावरण आपको शांति का अनुभव कराता है। मंदिर चारों तरफ से पत्थर के फुटपाथ से घिरा हुआ है और इसे केशवराज देवराय मंदिर के नाम से भी जाना जाता है।

शांति का होता है अहसास

यह मंदिर आपको आध्यात्मिक शांति का अहसास करवाता है। मंदिर परिसर में स्थित गाय के मुंह के आकार के पत्थर से साल भर ठंडा और स्वादिष्ट पानी बहता है। केशवराज मंदिर के क्षेत्र के भीतर आप महसूस करते हैं कि भगवान की असली पहचान एकांत, शांति और प्रकृति के बीच है।

प्राकृतिक सौंदर्य के बीच स्थित

केशवराज मंदिर प्राकृतिक सौंदर्य की अद्भुत छटा पेश करता है। मंदिर के चारों ओर घने जंगल में, आप वर्ष भर पानी की धारा बहते हुए देख सकते हैं। यहां पर धारा के उपर पुल भी बना है। जब आप इस पुल को पार करते हैं, तो आप लेटराइटिक पत्थर से निर्मित कुछ सीढ़ियां देखते हैं।

पांडवों द्वारा निर्मित है मंदिर

ऐसी मान्यता है कि इस मंदिर का निर्माण पांडवों द्वारा किया गया था। उन्होंने इसे एक ही रात में बनाया था। वहीं, कुछ लोग यह भी कहते हैं कि मंदिर का निर्माण पेशवा काल के दौरान हुआ था। मंदिर चारों तरफ से पत्थर के फुटपाथ और हरियाली मन मोह लेती है।

समस्त देशवासियों को दीपोत्सव की
हार्दिक शुभकामनाएं...

राजेश दंडोतिया एएसपी, सिटी ग्वालियर

समस्त देशवासियों को दीपोत्सव की

हार्दिक शुभकामनाएं...

रुचि चतुर्वेदी

सदस्य समाज सेवी संस्था

समस्त देशवासियों को दीपोत्सव की

हार्दिक शुभकामनाएं...

अर्चना बाजपेई

सदस्य समाज सेवी संस्था

।। जय श्री राम ।।

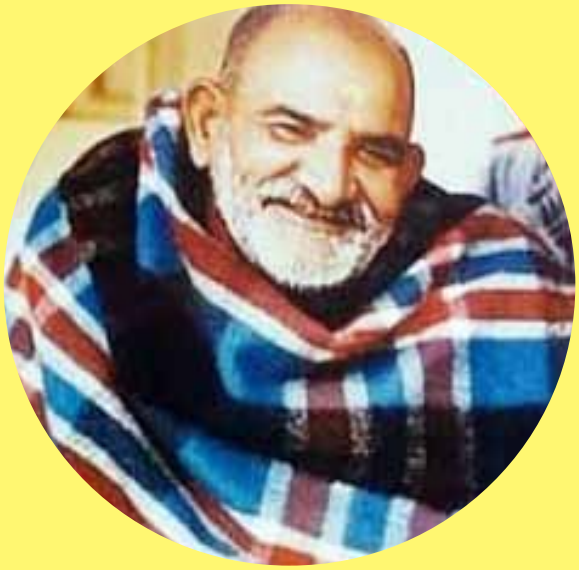

नीम करोली महाराज

(नैनीताल, उत्तराखण्ड)

शुभ दिपावली

Courtsey

Pramod Kumar Gupta & Co.

Income Tax and Commercial Tax practitioner

Gwalior office: 23, Kailash Vihar, Opp. Aaykar Bhavan, City Centre, Gwalior -474002, Ph: 0751-4012550, 2374000, 2375000, Mo. 94251-26505, Email:shriram26505@gmail.com

New Meridian : Commercial Tax Building Infront of Gulmohar City, New City Center, Gwalior (MP)

Morena Office : Panchayti Dharmshala, Morena (MP)
Ph:07532-226505, Mo. 94251-28850
Email : shriram505@rediffmail.com

HAPPY
Diwali
अवीनाश ग्रुप ऑफ कम्पनीज (नीमच-मंदसौर)
अशोक अरोरा
(गंगानगर)

नीमच खनिज विभाग की ओर से दीपावली की...
बहुत बहुत शुभकामनाएं
शुभकामनाकर्ता : समस्त नीमच खनिज विभागीय, स्टाफ

महिला बालविकास नीमच की ओर से दीपावली की
बहुत बहुत शुभकामनाएं
शुभकामनाकर्ता : महिला बाल विकास, नीमच

YASHODA
Hospital

यशोदा हॉस्पीटल

हम देते है श्रेष्ठ उपचार, उचित दरों में

सुविधाऐं

- प्रतिदिन OPD
- सुबह 9 बजे से सांय 8 बजे
- 24 घंटे भर्ती सुविधा
- 24 घंटे प्रसव सुविधा

24x7 इमरजेंसी ट्रॉमा सेन्टर

- **हड्डी एवं जोड़ रोग विभाग**
  जॉइन्ट रिप्लेसमेंट, घुटने का दूरबीन से इलाज
- **शिशु रोग विभाग**
  शिशुओं का टीकाकरण
  नवजात शिशुओं के लिये NICU / PICU
- **सर्जरी विभाग**
  दूरबीन द्वारा पित्त की थैली एवं किडनी में पथरी के ऑपरेशन
- **प्रसूति एवं स्त्री रोग**
  नार्मल एवं सिजेरियन डिलेवरी
  दूरबीन द्वारा बच्चेदानी का ऑपरेशन

ओ.पी.डी. शुल्क 100/-

- **मेडीसीन विभाग**
  मलेरिया, टाइफाइड, डेंगु, बुखार
  ब्लड प्रेशर, डायबिटीज
  सांस इत्यादि बीमारियों का इलाज

- चर्म रोग विभाग
- नाक, कान, गला विभाग
- नेत्र रोग विभाग
- फिजियोथैरेपी विभाग

- 100 विस्तर का अस्पताल
- वेन्टिलेटर युक्त अत्याधुनिक आई.सी.यू.
- क्रिटीकल केयर विशेषज्ञ की देखरेख
- मोड्यूलर ऑपेरशन थियेटर
- 24x7 आपातकालीन भर्ती एवं ट्रामा सेन्टर
- उचित दरों में पेथोलोजी एवं रेडियोलॉजी जाँचें

YASHODA

पता : द्वारिकाधीश मंदिर के पास, ठाठीपुर, ग्वालियर (म.प्र.)